केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 174 रविवार 14 जनवरी 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

ठंड ने बढाई मुश्किलें

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। सर्द पछुवा हवा से उत्तर प्रदेश कंपकंपा रहा है। दिन में धूप नहीं निकल रही और रात में पारा नीचे जा रहा है। अगर यही क्रम आगे भी जारी रहा तो फिर राज्य में शीतलहरी का प्रकोप शुरू हो जाएगा।

बीते 24 घंटों के दौरान बस्ती में कुछ स्थानों पर बहुत घना कोहरा छाया रहा। कहीं–कहीं कोल्ड डे का प्रकोप रहा, धूप नहीं निकली। लोग घरों में दुबके हुये है या अलाव तापकर ठंड मिटा रहे हैं।

थाना दिवस में सुनी फरियाद

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । थाना समाधान दिवस के अवसर पर थाना वाल्टरगंज पर थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें जिलाधिकारी अन्द्रा वामसी व पुलिस अधीक्षक गोपाल कृष्ण चौधरी द्वारा थाना वाल्टरगंज पर आये फरियादियों की समस्याओं को सुनकर राजस्व व पुलिस विभाग के अधिकारियों/ कर्मचारियों की टीम बनाकर मौके पर जाकर शिकायतों को गंभीरता से लेकर शत–प्रतिशत निष्पक्ष निस्तारण करने हेतु निर्देशित किया गया ।

पुलिस अधीक्षक द्वारा उपस्थित समस्त पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि थाना समाधान दिवस में प्राप्त शिकायती प्रार्थना पत्रों को समयबद्धता/ गुणवत्ता के साथ जल्द से जल्द निस्तारण करवायें। इस अवसर पर क्षेत्राधिकार सदर विनय कुमार चौहान भी उपस्थित रहे।

लोकसभा चुनाव तैयारियों में जुटा प्रशासन

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। आगामी लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 में राजनीतिक दलों द्वारा प्रयोग किए जाने वाले प्रचार सामग्री, खाद्य सामग्री सहित कुल 192 सामानों का मूल्य निर्धारण हेतु गठित कमेटी के प्रस्ताव पर जिलाधिकारी अन्द्रा वामसी ने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ विचार–विमर्श किया। राजनीतिक दलों से प्राप्त सुझावों को सम्मिलित करते हुए रेट लिस्ट को अंतिम रूप दिया गया। इसमें टेंट, पंडाल, वाहन, पोस्टर, बैनर, पंपलेट, होर्डिंग, चाय समोसा एवं अन्य सामग्री की दरें तय की गई है। बैठक में मुख्य कोषाधिकारी अशोक प्रजापति, उप जिलाधिकारी सदर गुलाबचंद, अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी केशव लाल, एआरटीओ पंकज कुमार, उपयुक्त उद्योग हरेंद्र प्रताप, सहायक निर्वाचन अधिकारी सुभाष सहित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि गण उपस्थित रहे।

मुकदमों के निस्तारण में तेजी लाने का निर्देश

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । विभिन्न राजस्व न्यायालय में विचाराधीन मुकदमो के निस्तारण में तहसीलदार एवं नायब तहसीलदारों के निस्तारण मानक के अनुरूप संतोषजनक पाए जाने पर जिलाधिकारी अन्द्रा वामसी ने इन्हें प्रशस्ति पत्र जारी करने का निर्देश दिया है। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने राजस्व निरीक्षकों को निर्देशित किया है कि उनके न्यायालय में विचाराधीन मुकदमों में तहसील से संबंधित आख्या 3 दिन के भीतर अवश्य उपलब्ध करायें। इसमें किसी प्रकार की शिथिलता क्षम्य नहीं होगी।जनपद के विभिन्न न्यायालयों में राजस्व एवं स्टांप, चकबंदी तथा फौजदारी वादों के शीघ्र निस्तारण के लिए उन्होंने सभी पीठासीन अधिकारियों /मजिस्ट्रेट को निर्देशित किया है ।

सपा ने बढ़ाई कांग्रेस की चिंता: सीट शेयरिंग को लेकर होने वाली बैठक टली

नई दिल्ली (आभा)। विपक्षी पार्टियों के गुट इंडिया गठबंधन के दो अहम घट दलों – जेडीयू और टीएमसी की शीर्ष नेताओं नीतीश कुमार और ममता बनर्जी के बीच तल्खियों का दौर जारी है। शनिवार को इंडिया गठबंधन की वर्चुअल मीटिंग में घटक दल गठबंधन के अहम पदों के लिए निर्णय लेने वाले थे। कई दिनों से इस बात की चर्चा थी कि 13 जनवरी को होने वाली मीटिंग के दौरान बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को संयोजक बनाया जाएगा मगर ऐसा नहीं हुआ। इस बैठक में केवल कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को ही गठबंधन का अध्यक्ष बनाया गया।

–कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे गठबंधन का अध्यक्ष बने

जानकारी के मुताबिक, तृणमूल कांग्रेस को छोड़कर इंडिया गठबंधन के अधिकांश घटक दलों ने संयोजक के रूप में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नाम पर मुहर लगाई थी। यह तय था कि शनिवार को होने वाली मीटिंग में घटक दल पार्टी के अहम पदों पर निर्णय लेने वाले हैं, मगर मीटिंग में न तो ममता बनर्जी शामिल हुई थीं और न ही उनकी पार्टी टीएमसी से कोई और प्रतिनिधि शामिल हुआ।

जबकि दूसरी ओर इंडिया गठबंधन के घटकदल कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के साथ दूसरे दौर की बातचीत टल गई है। दोनों पार्टियों के बीच अब 15 जनवरी के बाद चर्चा होने की उम्मीद है। सीट बंटवारे को लेकर दोनों पार्टियों ने 9 जनवरी को अपनी पहली बैठक में 12 जनवरी को फिर मिलने का ऐलान किया था। पर आखिरी वक्त पर बैठक निरस्त कर दी गई। समाजवादी पार्टी का कहना है कि सीट बंटवारे को लेकर कांग्रेस ने अभी अपना होमवर्क नहीं किया है, इसलिए बैठक को टालने का निर्णय लिया गया है।

रविवार से कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा शुरु हो रही है, ऐसे में 15 जनवरी के बाद ही दोनों पार्टियों के बीच उत्तर प्रदेश में सीट बंटवारे पर बातचीत हो सकती है। उत्तर प्रदेश में सीट बंटवारे में देरी को कांग्रेस के बहुजन समाज पार्टी को इंडिया गठबंधन में शामिल करने की कोशिश के तौर पर भी देखा जा रहा है। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि हमारी कोशिश है कि भाजपा के खिलाफ विपक्ष से हर सीट पर एक उम्मीदवार हो, ऐसे में यूपी में भाजपा को शिकस्त देने के लिए बसपा का साथ बेहद जरूरी है।

हालांकि, समाजवादी पार्टी इंडिया गठबंधन में बसपा को शामिल करने का विरोध कर रही है। पिछले सप्ताह कांग्रेस की गठबंधन समिति के साथ हुई बैठक में बसपा को साथ लेने का विरोध किया था। पार्टी का कहना है कि गठबंधन में कांग्रेस, सपा और रालोद काफी है, गठबंधन में किसी और पार्टी को शामिल करने की कतई कोई जरुरत नहीं है।

इस बीच, माना जा रहा है कि 15 जनवरी को बसपा सुप्रीमों मायावती के जन्मदिन पर कांग्रेस नेता उनसे मिलकर उन्हें जन्मदिन की मुबारकबाद दे सकते हैं। इस बैठक में पार्टी नेता बसपा के इंडिया गठबंधन में शामिल होने के बारे में संभावनाओं पर भी बात कर सकते हैं। बसपा का रुख जानने के बाद कांग्रेस सीट बंटवारे पर आगे की चर्चा करेगी।

फोरलेन पर 19 जनवरी से लागू हो जाएगा डायवर्जन : गोण्डा से जाना होगा लखनऊ

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। अयोध्या में रामलला के प्राण–प्रतिष्ठा के मद्देनजर आगामी 19 जनवरी से बस्ती–अयोध्या फोरलेन पर डायवर्जन प्लान लागू कर दिया जाएगा। यह जानकारी एसपी गोपालकृष्ण चौधरी ने दी है।

उन्होंने बताया कि संतकबीरनगर से बस्ती की तरफ आ रहे वाहन को जिन्हें लखनऊ जाना है, उन वाहनों को चैनपुरवा फ्लाई ओवर से डायवर्ट किया जाएगा। जो असनहरा, बेवा चौराहा जनपद सिद्धार्थनगर से भवानीगंज से गैडास बुजुर्ग से उतरौला बलरामपुर होते हुए लखनऊ की तरफ जाएंगे। संतकबीरनगर से बस्ती की ओर आने वाले वाहन, जिन्हें टांडा अकबरपुर जाना है, उन वाहनों को फुटहिया से डायवर्जन किया जाएगा। जो कलवारी होते हुए टांडा–अकबरपुर की तरफ जाएंगे।

कप्तानगंज हरैया छावनी से अयोध्या की तरफ जाने वाले वाहनों को रामजानकी मार्ग पर डायवर्जन किया जाएगा। वहां कलवारी गायघाट से मेंहदावल फिर बांसी उतरौला बलरामपुर होते हुए लखनऊ की तरफ जाएंगे। सिद्धार्थनगर बांसी से आने वाले वाहन जिनको लखनऊ जाना है उन्हें रुधौली उतरौला मोड़ से डायवर्ट करके बलरामपुर की तरफ मोड़ दिया जाएगा।

सोनहा–वाल्टरगंज की तरफ से आने वाले वाहन जिनको लखनऊ जाना है उन्हें मनौरी चौराहे से बांसी रोड पर डायवर्जट किया जाएगा जो उतरौला–बलरामपुर गोंडा होते हुए लखनऊ की तरफ जाएंगे।

ब्रिटिश उच्चायुक्त के पीओके दौरे पर भारत ने जताई कड़ी आपत्ति

नई दिल्ली (आभा)। ब्रिटेन के उच्चायुक्त के हालिया पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के दौरे पर भारत ने कड़ी आपत्ति जताई है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस तरह भारत की संप्रभुता और अखंडता के उल्लंघन को स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

इस्लामाबाद में ब्रिटेन की उच्चायुक्त जेन मैरियट ने विदेश कार्यालय के एक अधिकारी के साथ हाल ही में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर का दौरा किया। इस पर

शनिवार को भारत ने कड़ी आपत्ति जताई। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा कि उसने इस मामले पर नई दिल्ली में ब्रिटिश उच्चायुक्त के सामने कड़ा विरोध दर्ज कराया है।

एमईए ने एक बयान में कहा, 'भारत ने बुधवार को पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में एक अधिकारी के साथ ब्रिटेन की उच्चायुक्त की अत्यधिक आपत्तिजनक यात्रा को गंभीरता से लिया है। भारत की संप्रभुता और अखंडता के उल्लंघन को स्वीकार नहीं किया जा सकता।' मंत्रालय ने बताया कि विदेश सचिव ने इस पर भारत में ब्रिटेन के उच्चायुक्त के सामने कड़ा विरोध जताया है। मंत्रालय ने आगे कहा, केंद्र शासित प्रदेश जम्मू–कश्मीर और लद्दाख भारत का अभिन्न हिस्सा रहे हैं और हमेशा रहेंगे।

संकल्प के साथ पुस्तक मेला सम्पन्न

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। टाउन क्लब में चल रहा बस्ती पुस्तक मेला शनिवार को अगले साल भव्य आयोजन के संकल्प के साथ समाप्त हो गया। साथ ही मेले में आए प्रकाशकों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्रीलाल शुक्ल पुरस्कार प्राप्त साहित्यकार अष्ठभुजा शुक्ल नें कहा कि जो लोग किताबें पढ़ते हैं, लिखते हैं उनका मस्तिष्क क्रियाशील होता है। और जिनका मस्तिष्क क्रियाशील होता है, उनकी आयु लम्बी होती है, शरीर स्वस्थ रहता है। इसलिए पढ़ना जहां बुद्धिमत्ता प्रदान करता है, वहीं स्वास्थ्य के लिए भी मददगार होता।

युवा विकास समिति द्वारा नेशनल बुक ट्रस्ट इंडिया भारत सरकार के सहयोग से लगाये गए पुस्तक मेले के अंतिम दिन विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी रोशनी श्रीवास्तव, राजमाता आशिमा सिंह, डॉ. वी के. श्रीवास्तव, डॉ .राम शंकर गुप्ता, राघवेन्द्र विक्रम सिंह, प्रमोद पाण्डेय नें भी अपने विचार रखा।

लखनऊ निवासी महिला साहित्यकार डॉ. अर्चना शुक्ला के निबंध संग्रह स्वान्तः सुखाय का हुआ

विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया। इस मौके पर लेखिका नें अपने पुस्तक के बारे में अतिथियों से सुझाव और विचार भी आमंत्रित किये। इस मौके पर सभी नें अपने विचार व्यक्त किया।

मेले के आयोजकों की तरफ से पुस्तक मेले में स्टाल लगाने वाले सभी प्रकाशकों को स्मृति चिन्ह, प्रमाणपत्र और अंगवस्त्र प्रदान किया गया। साथ ही मेले के प्रमुख सहयोगियों को स्मृति चिह्न प्रदान किये। आयोजक बृहस्पति कुमार पाण्डेय नें बताया कि पुस्तक मेले में लगभग 15 लाख रुपये की पुस्तकों की बिक्री हुई। मेले में सभी प्रकाशकों ने मेले के अपने अनुभव और बिक्री को अच्छा बताया। प्रकाशकों ने बताया कि बच्चों के साहित्य के संग अध्यात्मिक पुस्तकें ज्यादा बिकीं। पुस्तक मेले के अंतिम दिन योग प्रशिक्षक रणधीर सिंह जी की अगुआई में कप्तानगंज से आये छोटेछोटे बच्चों नें योग प्रदर्शन कर लोगों का मन मोह लिया।

बस्ती पुस्तक मेला बेहद काफी हद तक सफल रहा और कई स्टालों पर ऐसी कई पुस्तके रहीं जो दूसरे दिन ही शार्ट हो गई। उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान के स्टाल पर उर्दू हिंदी शब्दकोश, प्राकृतिक चिकित्सा, प्रेमचन्द्र साहित्य, धर्मशास्त्र का इतिहास की सभी प्रतियाँ बिक गई। इसके अलावा गीताप्रेस की रामचरित मानस की प्रतियाँ सबसे ज्यादा बिकी।

स्वर्ण जयन्ती व्यापारी सम्मेलन में उठे जमीनी मुद्दे

स्वच्छता से व्यापार करें, संगठन चट्टान की तरह साथ में खड़ा रहेगा–मुकुन्द मिश्र

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। उ.प्र. उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय महामंत्री मुकुन्द मिश्रा ने शनिवार को बस्ती उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल स्वर्ण जयन्ती व्यापारी सम्मेलन को सिद्धि विनायक मैरेज हाल में मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुये कहा कि इमानदारी और स्वच्छता से व्यापार करें, संगठन उनके साथ चट्टान की तरह खड़ा रहेगा। कहा संगठन का 50 वर्षों के संघर्ष का इतिहास रहा है, व्यापारियों का स्वाभिमान जब जब आड़े आया संगठन व्यापारियों के साथ रहा और सामने वाले को झुकना पड़ा।

मुकुन्द मिश्रा ने भामाशाह की जयंती को व्यापारी दिवस के रूप में मनाये जाने की घोषणा करने तथा व्यापारी कल्याण बोर्ड का गठन किये जाने पर योगी सरकार के प्रति आभार जताया। केन्द्र सरकार से मांग किया कि राष्ट्रीय स्तर पर भी इसकी घोषणा की जानी चाहिये। बस्ती के व्यापारियों ने प्रमुखता से मांग उठाया कि शिक्षक और स्नातक एमएलसी की तरह व्यापारियों का भी अपना एमएलसी होना चाहिये, जिसके समक्ष समाज अपनी समस्यायें रख सके और प्रतिनिधि के जरिये उनकी समस्यायें सदन के पटल तक पहुंचे। मुकुन्द मिश्रा ने इसका समर्थन किया और शासन तक इस मांग को ले जाने का व्यापारियों को भरोसा दिलाया।

मौजूदा सरकार द्वारा लागू किये

विभिन्न करों पर उन्होने अपना विचार व्यक्त करते हुये कि व्यापारियों पर टैक्स इस तरह लागू होना चाहिये कि वी लालफीताशाही का शिकार न हो। उन्होने जीएसटी, व्यापारियों के तरह तरह से उत्पीड़न, लाइसेंसों की वैधता आजीवन किये जाने, नगरपालिकाओं द्वारा विधि विरूद्ध लिये जा रहे टैक्स तथा व्यापारियों के सम्मान और स्वाभिमान से जुड़े मुद्दों पर लम्बा सम्बोधन किया। सभी को धन्यवद देते हुये अंत में पत्रकारों के प्रश्नों का जवाब देते हुये उन्होने कहा जीएसटी के सरलीकरण को लेकर शासन के साथ बैठकें हो रही हैं। आने वाले दिनों में जो असहजता है उससे मुक्ति मिलेगी।

मुकुन्द मिश्रा ने कहा 22 जनवरी का दिन भारत के इतिहास में अति महत्वपूर्ण है। लम्बे संघर्षों के बाद भव्य राममंदिर में प्राण प्रतिष्ठा हो रही है। यह अवसर हर भारतवासी को गौरवान्वित करता है। उन्होने व्यारियों का आवाह्न किया कि 22 जनवरी को अपने प्रतिष्ठान पर दीपक जलायें और बाजारों में एलईडी लगाकर पर्व को भव्यता प्रदान करें। कहा प्रायः व्यापारिक प्रतिष्ठानों में आग लग जाती है। अच्छा खासा व्यापार अचानक चौपट हो जाता है और व्यापारी टूट जाता है। अब ऐसी घटनायें होंगी तो जिन व्यापारियों के पास संगठन का आई कार्ड होगा उन्हे जिलाध्यक्षों की सिफारिश पर 15 से 25 हजार रूपये की तात्कालिक आर्थिक सहायता दी जायेगी। इसी क्रम में उन्होने पत्रकारों से बातचीत में व्यापारी एकजुटता पर जोर दिया।

बस्ती उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल स्वर्ण जयन्ती व्यापारी सम्मेलन में संघ जिलाध्यक्ष आनन्द राजपाल, जिला महामंत्री सूर्य कुमार शुक्ल, मण्डल उपाध्यक्ष नोमान अहमद के साथ ही अनेक पदाधिकारियों और व्यापारियों ने जमीनी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया।

आवाहन किया कि व्यापारी एकजुट रहें तो उनकी हर समस्या का समाधान होगा। सम्मेलन में अनेक पदाधिकारियों को उनके योगदान के लिये सम्मानित किया गया।

स्वर्ण जयन्ती व्यापारी सम्मेलन में मुख्य रूप से ओम प्रकाश आर्य, प्रभात सोनी, धर्मेन्द्र चौरसिया, अदालत प्रसाद, प्रमोद गुप्ता, सुनील कुमार गुप्ता, डेजी बाबू, अजय श्रीवास्तव, राघवेन्द्र कश्यप, मनोज अग्रवाल, ओम प्रकाश आर्य, सूर्य नारायण गुप्ता, श्याम जी आर्य, सुनील कुमार, नीरज गुप्ता, सुरेश गुंटा, प्रद्युम्न शुक्ल, अनिल कुमार अग्रहरि, नवनीत मद्धेशिया, अरूण कुमार अग्रहरि, उमेश चन्द्र कसौधन, मुदित बहल, संजय कुमार जायसवाल, लालजी सिंह आदि ने प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत करते हुये समस्याओं को प्रमुखता से उठाया।

कड़ाके की ठंड के बावजूद सम्मेलन में राजाराम तिवारी, आशुतोष पाण्डेय, गंगाराम चौधरी, अवधेश मिश्र, सियाराम वर्मा, पवन चौधरी, आत्मा प्रसाद पाठक, संदीप गोयल, संजय द्विवेदी, गौरव भारत, सोनू तमसीर, गौरव साहू, आलम, सतीश सिंघल, ध्रुवचन्द्र चौधरी, कुन्दनलाल वर्मा, अजय चौधरी, जगदम्बा सिंह, वैजनाथ अग्रहरि, राजन गुप्ता, प्रभुप्रीत सिंह, राम कुमार सोनकर, राजेश सिंह, विष्णु सोनी, भूमिधर गुप्ता, पंकज मिश्र, लड्डन पटवा, राजेश अग्रहरि, मो. रसीद के साथ ही बडी संख्या में व्यापारी और पदाधिकारी शामिल रहे।

श्रीराम चरित मानस पर आधारित प्रश्नोत्तरी का आयोजन

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । श्री अयोध्या धाम में आगामी 22 जनवरी को मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा आयोजन को लेकर हर तरफ उल्लास और उमंग का वातावरण है। स्कूलों में भी अनेक आयोजन हो रहे हैं। शनिवार को सेन्ट्रल एकेडमी सीनियर सेकेन्डरी स्कूल में श्रीराम चरित मानस पर आधारित प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। छात्र स्कूल में मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम, माता सीता और श्री लक्ष्मण, श्री हनुमान का भेष धारण किये हुये थे जो आकर्षण का केन्द्र रहा।

सेन्ट्रल एकेडमी सीनियर सेकेन्डरी स्कूल के निदेशक जे.पी. तिवारी और प्रधानाचार्य श्रीमती दीपिका तिवारी ने छात्रों को श्रीराम चरित मानस के महत्व और विभिन्न चौपाइयों का उद्धरण देते हुये बताया कि मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम ने नर अवतार में मनुष्य का जीवन और परिवार में सामंजस्य किस प्रकार का होना चाहिये इसका ज्ञान दिया। राजा

—श्रीराम, माता सीता लक्ष्मण, हनुमान का भेष धारण कर छात्रों ने दिया संदेश

दशरथ के आदेश में प्रसन्नता से वन गमन करने वाले राम वन गये इसलिये बन गये।

प्रश्नोत्तरी में श्रीराम चरित मानस महाकाव्य के विविध प्रसंगों से प्रश्न पूंछे गये जिसका छात्रों ने समुचित उत्तर दिया। आदि श्री, मानवी, सृष्टि, खुशी, लकी, सर्वेश, सचिन, शिवांश, हर्षित, अमरनाथ, ऋतुराज आदि ने प्रश्नोत्तरी में हिस्सा लिया। स्कूल की ओर से उन्हें प्रमाण–पत्र के साथ देकर पुरस्कृत किया गया। इसी क्रम में शनिवार को स्कूल के छात्र–छात्राओं ने टाउन क्लब में चल रहे पुस्तक मेले का भ्रमण कर पुस्तकें खरीदी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से आबिद अरशद, अनामिका मिश्रा, प्रीती, शैलेन्द्र, अवधेश, ईशा गिरी, मुस्कान आदि ने योगदान दिया।

स्वामी विवेकानन्द ने धर्म को जीवन से जोड़ा

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । युवा दिवस के उपलक्ष्य में स्वामी विवेकानन्द जयंती अवसर पर कबीर साहित्य सेवा संस्थान द्वारा प्रेस क्लब सभागार में सामईन फारूकी के संयोजन में संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि डा. त्रिभुवन प्रसाद मिश्र ने स्वामी विवेकानन्द के जीवन वृत्त, योगदान पर विस्तार से प्रकाश डालते हुये कहा कि जब भारत कई टुकड़ों में विभाजित था, भुखमरी, महामारी से देश के अनेक हिस्से प्रभावित थे उस समय युवा सन्यासी ने देश को ऊर्जा देने के साथ ही शिकागो के भाषण से विश्व में भारत की प्रतिष्ठा बढाई, उन्होने धर्म को जीवन से जोड़ा और मुसीबत में होम्योपैथ की दवा लेकर सेवा करने निकल पड़े।

वरिष्ठ चिकित्सक डा. वी. के. वर्मा ने कहा कि अपने गुरू स्वामी रामकृष्ण के निधन के बाद विवेकानन्द के जीवन में नया मोड़ दिया। 25 वर्ष की अवस्था में उन्होंने गेरुआ वस्त्र पहन लिया, उन्होंने पैदल ही पूरे भारतवर्ष की यात्रा की। गरीब, निर्धन और सामाजिक बुराई से ग्रस्त देश के हालात देखकर

दुःख और दुविधा में रहे विवेकानन्द करोड़ो युवाओं के प्रेरणा श्रोत बन गये। वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम प्रकाश शर्मा और साहित्यकार बी.के. मिश्र ने कहा कि स्वामी विवेकानन्द सदा अपने को गरीबों का सेवक कहते थे। भारत के गौरव को देश–देशांतरों में उज्ज्वल करने का उन्होंने सदा प्रयत्न किया। इस परम्परा को आगे बढाने की जरूरत है। युवाओं को स्वामी विवेकानन्द के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिये। अध्यक्षता करते करते हुये वरिष्ठ साहित्यकार डा. रामकृष्ण लाल जगमग ने अपने स्वामी विवेकानन्द महाकाव्य का अंश सुनाया ' राष्ट्र धर्म जन–जन में गूजें, हो चहुदिश आनन्द, हो अवतरित धरा पर फिर से एक विवेकानन्द'। उन्होने स्वामी जी के व्यक्तित्व कृतित्व के विभिन्न विन्दुओं पर प्रकाश डाला। कहा कि स्वामी विवेकानन्द सभी धर्मों का आदर करते थे यही कारण है कि सभी धर्मानुरागियों में उन्हें आदर प्राप्त है। स्वामी विवेकानंदजी का दृढ़ विश्वास था कि अध्यात्म–विद्या और भारतीय दर्शन के बिना विश्व अनाथ हो जाएगा। उन्होने भारतीय दर्शन को विश्व में प्रतिष्ठित किया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से बटुकनाथ शुक्ल, दीपक सिंह प्रेमी, शाद अहमद शाद, अशद बस्तवी, अजीत श्रीवास्तव 'राज', रहमान अली 'रहमान', संध्या दीक्षित, अर्चना श्रीवास्तव, सन्तोष श्रीवास्तव, तौव्वाब अली, राहुल चौहान, रामलौट, नीरज वर्मा चन्द्रमोंहन लाल, सुखराम आदि ने स्वामी विवेकानन्द के जीवन पर प्रकाश डाला।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 14 जनवरी 2024 रविवार

सम्पादकीय

स्वच्छता का देशव्यापी सर्वेक्षण

एक बार फिर स्वच्छता के देशव्यापी सर्वे में इंदौर ने सातवीं दफा अपना ताज बरकरार रखा, हालांकि इस बार कभी प्लेग से जूझने वाला सूरत भी साथ खड़ा नजर आया। निश्चित रूप से सफलता के शिखर पर पहुंच जाना महत्वपूर्ण होता है, लेकिन शिखर पर सात साल तक टिके रखना बड़ी बात होती है। जाहिर है यह सफलता सिर्फ प्रशासन व स्थानीय निकाय की ही कोशिशों से संभव नहीं थी, जब तक कि इसमें जनभागीदारी सुनिश्चित न होती। इंदौर ने घर–घर से कचरा उठाने, अगलनीय कचरे को अलग करने व कचरे का पुनर्चक्रण करने जैसे कई चरणों को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। कभी सिटी ब्यूटीफुल के उपनाम से पहचान बनाने वाले चंडीगढ़ का स्वच्छता सर्वे में सर्वश्रेष्ठ सफाई मित्र बनना संतोष की बात है। लेकिन हरियाणा, पंजाब व खुद केंद्रशासित प्रदेश चंडीगढ़ की राजधानी होने तथा देश के पहले नियोजित शहर होने के नाते इस शहर को स्वच्छता के शीर्ष मानकों में खरा उतरना चाहिए था। वहीं इंदौर के साथ पहला स्थान साझा करने वाले सूरत की उपलब्धि भी सराहनीय है। कभी प्लेग की महामारी के कारण दुनियाभर में सुर्खियों में आने वाले सूरत का स्वच्छता के मानकों पर खरा उतरना निश्चित ही चौंकाने वाला है। महामारी के बाद इस शहर में सफाई के प्रयास युद्धस्तर पर किये। पिछले तीन दशक में लगातार स्वच्छता के प्रयासों का नतीजा है कि सूरत का कायाकल्प हुआ है। राज्य के रूप में महाराष्ट्र ने बाजी मारी है। वहीं गंगा किनारे बसे शहरों में वाराणसी अव्वल रहा है। मगर उत्तर प्रदेश व बिहार के किसी भी शहर का देश के दस स्वच्छ शहरों की सूची में स्थान न बना पाना नीति–नियंताओं को आत्ममंथन का मौका देता है। बिहार को भी सोचना चाहिए कि क्यों उसकी राजधानी पटना का स्थान ढाई सौ शहरों से ऊपर है। इन राज्यों को स्वच्छता को लेकर युद्ध स्तर पर काम करने की जरूरत है। स्वच्छ शहर शोभनीयता के अलावा जनस्वास्थ्य की दृष्टि से भी विशेष महत्वपूर्ण है।

बहरहाल, केंद्रीय शहरी विकास और शहरी मामलों के मंत्रालय ने पिछले लगभग एक दशक से स्वच्छता रैंकिंग जारी करके देश में सफाई के प्रति एक स्वस्थ प्रतियोगिता शुरू की है। सभी राज्यों को सफाई के लिये प्रेरणा मिली है। जन–जन में भी जागरूकता आई। लेकिन स्वच्छ भारत अभियान को सफल बनाने के लिये अभी अधिक प्रयासों की जरूरत है। हमें याद रहे कि लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री द्वारा स्वच्छ भारत मिशन की घोषणा किये दस साल हो गए हैं। अपेक्षित लक्ष्य पाने के लिये अतिरेक प्रयास करने की जरूरत है। यह भी समझने की जरूरत है कि गंदगी से ही तमाम बीमारियों को पैदा करने वाले जीवाणु–विषाणु पनपते हैं। हम स्वच्छता को प्राथमिकता देकर बीमारियों पर होने वाले खर्च को भी बचा सकते हैं। हम विचार करें कि इंदौर जैसी प्रशासनिक व जनता की भागीदारी अन्य शहरों व राज्यों में क्यों नहीं होती। यह भी कि हम घर में तो साफ–सफाई रखते हैं, लेकिन सार्वजनिक स्थलों पर सफाई को लेकर गंभीर क्यों नहीं होते। क्यों हम घर से निकलने वाले कचरे का वर्गीकरण सूखे, गीले और अगलनीय कचरे के रूप में नहीं करते। निश्चित रूप से दिल्ली में आबादी के भारी दबाव का स्वच्छता पर असर पड़ता है। लेकिन फिर भी राष्ट्रीय राजधानी में दिखने वाले कचरे के वास्तविक पहाड़ देश को शर्मसार करते हैं। जिस पर राजनीति तो होती है, लेकिन सारे दल मिलकर इसे हटाने का प्रयास नहीं करते। दरअसल, सफाई हमारी आदत में शामिल होनी चाहिए और प्रशासन को सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने का सलीका आना चाहिए। स्थानीय निकायों को घर–घर से वर्गीकृत कूड़ा उठाने, सीवरों की सफाई और उनका पानी जीवनदायिनी नदियों में जाने से रोकने के लिये अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। कचरे के निस्तारण के लिये हरित तकनीक प्रयोग हो। सफाई मित्रों की सुरक्षा व सम्मान सुनिश्चित किया जाए। जिससे पूरे देश में स्वच्छता के प्रति जागरूकता को विस्तार मिले। हमें ध्यान रखना चाहिए कि पर्यावरण प्रदूषण से देश में लाखों लोगों की जान चली जाती है। सफाई की दिशा में कदम उठाकर हम पर्यावरण को शुद्ध बनाने का महती दायित्व निभा सकते हैं।

रामजन्मभूमि आंदोलन निर्णायक परिणामकारी घटना

—लाल कृष्ण आडवाणी—

मैं शब्दातीत प्रफुल्लित हूँ कि हम श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या में एक भव्य श्रीराम मंदिर बनाने के मेरे सबसे प्रिय सपने को साकार होता देखने वाले हैं। 22 जनवरी, 2024 को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी अयोध्या के दिव्य मंदिर में श्रीराम के विग्रह की प्राण–प्रतिष्ठा करेंगे। मैं धन्य हूँ कि मैं अपने जीवनकाल में इस ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बनूँगा। मेरा सदैव मानना रहा है कि एक सार्थक जीवन और समाज, दोनों की ही नींव आस्था पर टिकी होती है। आस्था व्यक्ति के जीवन में न केवल ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार करती है, बल्कि उसे दिशा देने में भी सहायक होती है। मेरे लिए और करोड़ों भारतीयों के लिए, यही आस्था श्रीराम के प्रति हमारी अगाध श्रद्धा रही है। श्रीराम भारत की आत्मा के प्रतीक है। भारत और भारतीयता की सच्ची आत्मा अनुशासन, सच्चाई, सत्यनिष्ठा, नैतिकता, नैतिक मूल्य, विविधता को स्वीकार करना और उस पर गर्व करना, बड़ों के प्रति सम्मान, सुदृढ़ पारिवारिक संबंध और ऐसे सभी उत्कृष्ट मानवीय मूल्य हैय श्रीराम इन सभी निष्कलंक मानवीय गुणों के प्रतीक हैं। इसीलिए उन्हें श्मर्यादा पुरुषोत्तमश कहा जाता है। वे भारतीयों की उच्च मूल्यों का जीवन जीने की आकांक्षा के एक आदर्श हैं।

श्रीराम एक आदर्श राजा भी थे श्धर्मश के जीवंत अवतार। इसलिए सुशासन के प्रतीक 'रामराज्य' की अवधारणा को भारत के लिए आदर्श के रूप में प्रचारित किया गया। यद्यपि श्रीराम हिंदुओं के लिए पूजनीय पवित्र धार्मिक विभूति हैं, साथ ही वे भारत की उस सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्रीय पहचान के भी एक प्रमुख प्रतीक हैं, जो समान रूप से प्रत्येक नागरिक की धरोहर है। श्रीराम के जीवन की कहानी, 'रामायण', भारत की सांस्कृतिक परंपराओं की निरंतरता का स्रोत और वाहक दोनों है और इसने शताब्दियों से पीढ़ी–दर–पीढ़ी, भारतीय मानस को बहुत प्रभावित किया है। इसलिए पिछले लगभग 500 वर्षों से, कोटि–कोटि भारतीयों की हार्दिक इच्छा रही है कि अयोध्या में श्री राम मंदिर का पुनर्निर्माण हो।

अयोध्या में श्रीराम की जन्मभूमि पर मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए किया गया श्रामजन्मभूमि आंदोलनश 1947 के बाद के भारत के इतिहास में एक निर्णायक और परिणामकारी घटना सिद्ध हुई। हमारे समाज, राजनीति तथा राष्ट्रीय पहचान की भावना पर इसका गहरा प्रभाव रहा है। मैंने सदैव कहा है कि मेरी राजनीतिक यात्रा में अयोध्या आंदोलन सबसे निर्णायक परिवर्तनकारी घटना थी, जिसने मुझे भारत को पुनः जानने और इस प्रक्रिया में अपने आप को भी फिर से समझने का अवसर दिया। मैं विनम्रता से कहता हूँ कि नियति ने मुझे 1990 में सोमनाथ से अयोध्या तक श्रीराम रथयात्रा के रूप में एक महत्त्वपूर्ण कर्तव्य निभाने का अवसर दिया।

मेरा मानना है कि कोई भी घटना अंततः वास्तविकता में घटित होने से पहले व्यक्ति के मन–मस्तिष्क में आकार लेती है। उस समय मुझे लग रहा था कि नियति ने यह निश्चित कर लिया है कि एक दिन अयोध्या में श्रीराम का एक भव्य मंदिर अवश्य बनेगारू बस अब केवल समय की बात है। रामजन्मभूमि पर श्रीराम का एक भव्य मंदिर बनना भारतीय जनता पार्टी की प्रबल इच्छा और दृढ़ संकल्प रहा है। 1980 के दशक के मध्य में जब अयोध्या मुद्दा राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में आ गया, तो मुझे वह समय याद आया कि कैसे महात्मा गांधी, सरदार पटेल, राजेंद्र प्रसाद और के.एम. मुंशी जैसे राजनीतिक दिग्गजों के प्रभावी नेतृत्व द्वारा, सभी बाधाओं के बाद भी, स्वतंत्र भारत में एक और ऐतिहासिक मंदिर (गुजरात में सौराष्ट्र के तट पर प्रभासपाटन में सोमनाथ मंदिर) के पुनर्निर्माण का पथ प्रशस्त किया था।

मध्य काल में सोमनाथ अनेक विदेशी आक्रांताओं के निशाने पर रहा और उनके आक्रमणों का साक्षी भी रहा, तथा सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण अपने खोए सांस्कृतिक गौरव को वापस पाने और धर्मांध विदेशी आक्रांताओं के इतिहास को मिटाने के भारत के दृढ़ संकल्प का एक गौरवपूर्ण प्रमाण है। दुखद है कि सोमनाथ के समान ही, अयोध्या में श्रीराम के जन्मस्थान पर बना मंदिर भी मुगल साम्राज्य की स्थापना करने वाले आक्रमणकारी बाबर के हमले का निशाना बन गया था। 1528 में बाबर ने अपने कमांडर मीर बाकी को अयोध्या में एक मस्जिद बनाने का आदेश दिया, ताकि उस स्थान को 'फरिश्तों के अवतरण का स्थान बनाया जा सके, इसलिए इसका नाम बाबरी मस्जिद पड़ा।

यह सभी मानते हैं और बाद में पुरातात्त्विक साक्ष्यों से इसकी पुष्टि भी हो गई कि अयोध्या में पहले से ही एक मंदिर था, जिसे मस्जिद की स्थापना के लिए ध्वस्त कर दिया गया था। इस कारण, कई अर्थों में अयोध्या आंदोलन ने सोमनाथ की भावना को ही आगे बढ़ाया। 1990 में जब भाजपा ने निर्णय लिया कि पार्टी अध्यक्ष के रूप में मुझे अयोध्या आंदोलन के लिए जनसमर्थन जुटाने के उद्देश्य से श्रीराम रथयात्रा का नेतृत्व करना चाहिए, तो मैंने स्वाभाविक ही इस ऐतिहासिक यात्रा के आरंभिक स्थल के रूप में सोमनाथ को चुना।

12 सितंबर, 1990 को मैंने 11 अशोक रोड, नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई और 10,000 किलोमीटर लंबी रथयात्रा करने के अपने निर्णय की घोषणा की। यात्रा 25 सितंबर को सोमनाथ से आरंभ होकर 30 अक्तूबर को अयोध्या पहुँचने वाली थी, जहाँ आंदोलन से जुड़े संतों की योजना के अनुसार कारसेवा की जानी थी। 25 सितंबर मेरे लिए विशेष था, क्योंकि इस दिन पं. दीनदयाल उपाध्यायजी की जयंती है।

अपनी आत्मकथा 'मेरा देश मेरा जीवन' में मैंने 1990 में अयोध्या आंदोलन और श्रीराम रथयात्रा के विषय में विस्तार से चर्चा की है। आज के इस विशेष अवसर पर में इसके कुछ महत्त्वपूर्ण अंशों को याद दिलाना चाहूँगा। 25 सितंबर, 1990 की सुबह मैंने सोमनाथ मंदिर में ज्योतिर्लिंग की पूजा–अर्चना की। मेरे साथ वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी (जो उस समय भाजपा के एक होनहार नेता थे), श्री प्रमोद महाजन (जो पार्टी के महासचिव थे), गुजरात में पार्टी के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी और मेरे परिवार के सदस्य थे। पार्टी के दो उपाध्यक्ष राजमाता विजयाराजे सिंधिया और श्री सिकंदर बख्त रथ को हरी झंडी दिखाने आए थे।

रथ को रवाना करने से पहले हम सभी ने मंदिर के ठीक बाहर सरदार पटेल की भव्य प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। मैंने मन–ही–मन उन सभी महापुरुषों को धन्यवाद दिया और उनसे प्रेरणा ली, जिन्होंने मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए कड़ा परिश्रम किया था। स्वागत और आशीर्वाद देने के लिए एकत्र हुई भारी भीड़ के बीच हम श्रीराम रथ पर चढ़े, जिसे गेंदे के फूलों से सजाया गया था। फिर गुंजायमान शंखनाद ओर श्जय श्रीरामश व 'सौगंध राम की खाते हैं, मंदिर वहीं बनाएँगे' के गगनभेदी नारों के साथ रथ आगे बढ़ा। बाद के दिनों में ये नारे मेरी यात्रा की पहचान बन गए और भारत की स्वर कोकिला, स्वर सम्राज्ञी स्वर्गीय श्रीमती लता मंगेशकर द्वारा गाया गीत ष्राम नाम में जादू ऐसा, राम नाम मन भाएय मन की अयोध्या तब तक सूनी, जब तक राम न आएँष– रथयात्रा का मुख्य गीत बन गया।

गुजरात में पहले कुछ दिनों में ही यात्रा को मिले प्रतिसाद और उसके प्रति उत्साह से में वास्तव में अभिभूत था। सभी स्थानों पर भारी भीड़ ने रथ का स्वागत किया। गाँवों, कस्बों और यहाँ तक कि सड़कों पर भी, आस–पास की बस्तियों के लोग पेड़ों के नीचे इकट्ठा होकर रथ के आने की उत्सुकता से प्रतीक्षा किया करते थे। बड़े कस्बों और शहरों में यह अपूर्व उत्साह चरम पर पहुँच गया था, जिसके कारण हमें अपनी बैठकों के स्थल तक पहुँचने में घंटों लग जाते थे।

यह जनसमर्थन महाराष्ट्र के साथ–साथ उसके बाद के सभी राज्यों में भी उत्तरोत्तर बढ़ता गया, जहाँ–जहाँ से यात्रा गुजरी। जगह–जगह लोगों ने भव्य तोरणद्वार बनाकर और पुष्पवर्षा करके रथ का स्वागत किया। मेरे लिए सबसे आश्चर्यजनक दृश्य वह था, जिसमें लोग, विशेष रूप से महिलाएँ, रथ के आगे आकर आरती करती थीं और सिक्के चढ़ाती थीं, जैसे कि वे किसी मंदिर में प्रार्थना कर रही हों। मुझे शीघ्र ही अनुभव हुआ कि अनेक लोगों के लिए, इस अभियान की दृष्टि से मैं इतना महत्त्वपूर्ण नहीं था और मेरे द्वारा इसका नेतृत्व करना मात्र एक संयोग था। मैं तो केवल एक सारथी थाय रथयात्रा का प्रमुख संदेशवाहक स्वयं रथ ही था। और यह पूजा के योग्य इसीलिए था, क्योंकि यह श्रीराम मंदिर के निर्माण के पवित्र उद्देश्य की पूर्ति के लिए उनके जन्मस्थान अयोध्या जा रहा था।

इस बिंदु पर मैं उस 'रथ' के विषय में कुछ कहना चाहूँगा, जिसमें मैंने यात्रा की थी। वह वास्तव में एक मिनी ट्रक था, जिसे रथ का आकार देने के लिए रीडिजाइन किया गया था और इसमें मूलभूत सुविधाएँ प्रदान की गई थीं।

'रथ' में यात्रा करना मेरे लिए वास्तव में एक अद्भुत और अविस्मरणीय अनुभव था, लेकिन इसने अपनी ही अनेक चुनौतियाँ भी प्रस्तुत कीं। वाहन के पीछे एक छोटा कमरा–सह–शौचालय था, जिसका उपयोग केवल तभी किया जा सकता था, जब वाहन चल न रहा हो, क्योंकि यह बहुत उछलता था। मुझे याद है कि अपना संतुलन बनाए रखने के लिए मुझे अधिकतर चलती गाड़ी के मंच पर सामने और किनारे पर लगी रॉड को पकड़कर खड़ा होना पड़ता था। निस्संदेह इस कारण लगातार गरमी और धूल का भी सामना करना पड़ता था, क्योंकि मंच तीन तरफ से खुला था।

इसके अलावा रथ के चलते समय यह असंभव था कि मैं पानी, जूस या चाय बिना गिराए पी सकूँ। इसलिए इस समस्या को दूर करने के लिए एक विशेष सिपर बोतल की व्यवस्था की गई। जहाँ तक भोजन की बात है, तो ऐसी व्यवस्था की गई थी कि रात का खाना उस शहर के अपनी पार्टी के किसी कार्यकर्ता के घर से आएगा, जहाँ हमें रात्रि विश्राम के लिए पहुँचना था। चूंकि अंतिम सार्वजनिक बैठक हमेशा आधी रात के लगभग ही समाप्त होती थी, इसलिए मैं सामान्यतया मुरब्बा टोस्ट के साथ सिर्फ एक गिलास दूध ही लेता था।

एक और समस्या हमें अक्सर रथ की ऊँचाई के कारण आती थी। हालांकि पार्टी के अधिकारियों ने यात्रा के मार्ग में विभिन्न गंतव्यों तक वाहन की ऊँचाई के बारे में अग्रिम जानकारी प्रसारित की थी, लेकिन जैसे–जैसे हम छोटे कस्बों और शहरों से गुजरते थे, ऊपर लटकते बिजली के तारों के कारण बार–बार रुकावट आती थी। इसलिए पार्टी के कार्यकर्ताओं ने तारों को रास्ते से हटाने के लिए लकड़ी के अधिक लंबे खंभों की व्यवस्था की और रथ के साथ चलना भी शुरू कर दिया। वैसे, ये सभी वास्तव में छोटी समस्याएँ थीं, जो मेरी 'श्रीराम रथयात्रा' की सुंदर व सुखद स्मृतियों का एक लघुतर भाग है।

यात्रा के सबसे मर्मस्पर्शी क्षण गाँवों और दूरदराज की बस्तियों में अनुभव हुए, जहाँ ग्रामीणों के चेहरे पर भक्तिभाव और श्रद्धा शहरों की तुलना में अधिक थी। उनमें से कई या तो अशिक्षित थे या नाममात्र के शिक्षित थे। उन्होंने श्रीराम के बारे में पढ़कर नहीं जाना था। यह ऐसा था मानो इनका ज्ञान उनके माध्यम से एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में प्रवाहित हो रहा हो, लोककथाओं या मौखिक रूप से प्रसारित हो रहा हो, जैसा कि आमतौर पर भारतीय समाज में होता है।

कई स्थानों पर, मुझे कोई ऐसा ग्रामीण व्यक्ति मिल जाता था, जो बिना कोई नारा लगाए चुपचाप आता, रथ के सामने पूजा करता, मुझे अभिवादन करता और चला जाता। मैं वास्तव में इस तरह के अनुभवों से अभिभूत था, क्योंकि इससे मुझे प्रत्यक्ष रूप से पता चला कि भारतीय लोगों के जीवन में धार्मिकता की जड़ें कितनी गहरी जमी हुई हैं। यह रथयात्रा ही थी, जिसने मुझे अनुभूति कराई कि यदि मुझे धार्मिक बातों के माध्यम से राष्ट्रवाद का संदेश देना है, तो मैं इसे अधिक प्रभावी ढंग से और व्यापक जनसमूह तक पहुँचा पाऊँगा।

मेरे भाषण, जो अधिकतर वाहन पर विशेष रूप से बनाए गए ऊँचे मंच से दिए जाते थे, लगभग पाँच मिनट के ही होते थे, क्योंकि मुझे हर दिन सड़क किनारे ऐसे लगभग बीस से पच्चीस स्वागत समारोहों को संबोधित करना पड़ता था।जय श्रीराम

(लेखक भारत के पूर्व उप प्रधानमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता हैं।)–प्रभा साक्षी से साभार

चेतना के प्राण तत्व हैं श्रीराम

—आशीष वशिष्ठ—

श्रीराम भारतीय संस्कृति की चेतना के प्राण तत्व है। संपूर्ण भारतीय संस्कृति में राम नाम की महत्ता की चर्चा पाई जाती है। भगवान श्री राम साधन नहीं साध्य हैं। श्रीराम को धर्म जाति देश और काल में सीमित नहीं किया जा सकता। श्रीराम ने समूची वसुधा को सत्य के मार्ग का अनुसरण करना सिखाया है। जीवन के प्राण तत्व राम हैं। भारतीय लोक जीवन में राम का महत्व सदियों से रहा है। श्रीराम कण–कण में व्याप्त है।

श्रीराम भारत राष्ट्र की शक्ति हैं। वे राष्ट्रीय ऊर्जा के स्रोत हैं। वे राष्ट्र के शरीर भी हैं और मन भी। ईश्वरीय सत्ता श्रीराम का शरीर धारण कर भारत भूमि पर उतरी थी। वे सम्पूर्ण मानवीय चेतना और संवेदना के पुंज थे। श्रीराम ने मनुष्य को मनुष्य का आचरण बताया था। मनुष्य को उत्कर्ष और उत्सर्ग की कला सिखायी थी। राम का जीवन आदि, मध्य और अन्त की कथा नहीं है। वह सनातन हैं, निरन्तर हैं, नित्य हैं, नूतन हैं।

सार्वकालिक और सार्वभौमिक हैं। श्रीराम के साथ रहना और उनके साथ चलना किसी दिव्य जीवन प्रवाह के साथ चलने जैसा है। उस दिव्य प्रवाह के साथ जो निरन्तर है, जिसमें हर क्षण नये–नये जल कणों का सम्मिलन होता रहता है, जिसका गन्तव्य वह महासागर है, जो असीम है, सीमाबद्धता जिसे अमान्य है। नित्य नयी लहर, नित्य नयी ऊर्जा के स्रोत हैं राम।

देश में एक ऐसा समूह भी है जो श्रीराम और राम मंदिर का विरोध करता है। इस समूह में राजनेता, राजनीतिक दल और तथाकथित बुद्धिजीवी शामिल है। इस समूह से अहम प्रश्न यह है कि जो लोग राम या राम मंदिर का विरोध करते हैं, उनकी नीयत क्या है? क्या वे अपनी स्थापनाओं के प्रति सचमुच ईमानदार हैं? क्या उनमें यह कहने का साहस है कि वे श्रीराम को पूर्णतः अस्वीकार करते हैं? क्या श्रीराम से जुड़ा जीवन दर्शन अराष्ट्रीय है?

भारत की पहचान का मूल तत्व राम नहीं तो और क्या है? यदि इन और इसी प्रकार के अन्य प्रश्नों का उत्तर वे नहीं देना चाहते, और यदि उत्तर देते भी हैं, तो हीलाहवाला करके देते हैं, तो यही कहना पड़ेगा कि वे सब डरे हुए लोग हैं, लोभी लोग हैं। केवल सत्ता के सौदागर हैं। लोकजीवन की मान्यताओं, राष्ट्रीय परम्पराओं और प्रेरणा पुरूषों से उन्हें कोई लेना–देना नहीं है।

इस खेमे के चरित्र का मर्म यह है कि यदि श्रीराम की भक्ति में वोट मिलताा होगा तो वे श्रीराम का एकमात्र भक्त होने की घोषणा कर देंगे और यदि श्रीराम को कोसने से सत्ता का समीकरण बनता दिखाई देता है तो श्रीराम को राष्ट्रघाती घोषित करने में उन्हें कोई संकोच नहीं होगा। आजादी के बाद से अब तक वे जिस गांधी के नाम की राजनीतिक हुण्डी भुनाते आए हैं, उसी गांधी रामराज्य और हिन्दू स्वराज्य का तिरस्कार भी इन्हीं लोगों ने किया है। वे लोहिया ओर जयप्रकाश के भक्त नहीं है। इनके लिए लोहिया, जयप्रकाश और नरेंद्र देव राजनीतिक जोड़ तोड़ का मसाला है।

भारत के इतिहास और पुराण में, भारत की आध्यात्मिक विचारधारा में और इसके जन–मन में राम जिस गहराई से रचे–बसे हैं, वह स्वयं ही इस बात का प्रमाण है कि राम के बिना भारत के अस्तित्व की भी कल्पना नहीं की जा सकती। राम राष्ट्र हैं, राष्ट्र के प्राण भी हैं। राम राज्य हैं और राज्य के आदर्श भी हैं। राम भारत के लोक हैं, उसकी मंगलकामना भी हैं, राम घट–घट व्यापी ईश्वर हैं तो राम अयोध्या में सशरीर प्रकट होने वाले रामलला भी हैं।

कई सहस्त्र वर्ष पूर्व, जब विश्व के अधिकांश हिस्सों में शासक सिर्फ विजेता थे, जो प्रायः बर्बर हुआ करते थे, उस समय राम ने मानवता, त्याग और न्याय की अनुकरणीय भावना का प्रदर्शन किया। उनका सम्मान इसलिए नहीं किया जाता कि वह बाहरी दुनिया के विजेता थे, वह भीतरी जीवन के विजेता हैं, क्योंकि वह विपरीत परिस्थितियों में डगमगाते नहीं हैं। रावण को मारने के बाद भी उनकी आंखों में क्रोध नहीं दिखता, वह गिरे हुए रावण के शव के पास आते हैं और उन्हें जो कार्य करना पड़ा, उसके लिए पश्चाताप करते हैं। अपने जीवन की सारी चुनौतियों के बीच, वह कभी अपना संतुलन नहीं खोते, कभी मन में कड़वाहट या प्रतिशोध नहीं रखते। वह काफी हद तक छल–कपट या राजनीति से दूर रहते हैं और अपनी शक्ति के दुरुपयोग को लेकर बहुत सतर्क रहते हैं। समभाव रखने वाले राम समग्रता और आत्म–त्याग का जीवन जीते हुए एक उदाहरण प्रस्तुत करते हैं, वे अपनी प्रजा के लिए अपनी खुशी त्यागने के लिए तैयार हैं। सबसे बढ़कर, मुक्ति को महत्व देने वाली संस्कृति में वह नकारात्मकता, स्वार्थ और अधमता से ऊपर उठकर स्वतंत्रता के प्रतीक हैं।

सार यह है कि, राम नायक इसलिए नहीं हैं, क्योंकि उनका जीवन उत्तम है, बल्कि इसलिए हैं क्योंकि वह एक असाधारण जीवन जीते हैं। इसीलिए उन्हें मर्यादा पुरुष कहा जाता है। और यदि रामराज्य को एक आदर्श के रूप में रखा जाता है, तो इसलिए क्योंकि वह एक न्यायपूर्ण राज्य का प्रतीक है, तानाशाही का नहीं। आज हम भारत को वही बनाना चाहते हैं और इसीलिए रामायण आज भी लगातार प्रासंगिक बना हुआ है।

राम का चरित्र इस बात का प्रमाण है कि भारतीय समाज कभी जाति और रंग के आधार पर बंटा नहीं था। सम्पूर्ण समाज ही भाईचारे और बंधुत्व के प्रेम के ताने–बाने से बुना हुआ था। अन्यथा राम हनुमान, सुग्रीव, अंगद, नल–नील, जामवंत सरीखे वनवासियों के साथ एक या एकरस कभी नहीं होते।

श्रीराम पग–पग पर अपने कृत्यों से एकता और समरसता तथा अभेदता का संदेश दे रहे हैं। शबरी के जूठे बैर का राम के द्वारा खाया जाना राम के अभेद दृष्टि और समरसता के महाभाव का सबसे अद्भुत और श्रेष्ठ उदाहरण है। वास्तव में भारत की समृद्ध परंपरा और संस्कृति में भगवान श्रीराम निश्चय ही सामाजिक समरसता के सबसे बड़े प्रतीक हैं। भगवान राम के जीवन आदर्शों से काफी कुछ सीखने का वक्त है।

राम की स्वीकार्यता सदियों से रही क्योंकि वसुधैव कुटुंबकम की संकल्पना राम की परंपरा है। राम मर्यादा के शिरोमणि हैं। दुनिया की सभी अच्छी वस्तुओं के मानक राम हैं। सहजता सरलता ही राम है। राम के मतों का जागरण किए बिना स्वयं व्यक्ति कुछ नहीं कर सकता।

आज फिर वही श्रीराम अयोध्या में भारत की राजनीति के आदर्श रामराज्य की संकल्पना को साकार देखने के लिए अपने वैभव के साथ अपनी जन्मभूमि पर नवीन आभा के साथ पुनः विराजमान हो रहे हैं तो संपूर्ण मानवजाति के लिए भारत की ओर से नियति का यह संदेश सुना और सुनाया जाना ही चाहिए कि राम सभी के हैं, सभी जन राम के ही हैं। वह मर्यादा के आदर्श हैं, समन्वय के आधार हैं, जीव की सद्गति हैं, निरंतर सृजित होते और मिटते जीवन की वह चिर ध्वनि और संजीवनी हैं। अपने स्व में सदैव विराजमान राम रूपी अमृत को पाकर ही मानवता सदा के लिए संतुष्ट और सुखी हो सकती है, इसके सिवाय कोई रास्ता नहीं है। राम इस देश के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक आदर्श हैं, क्योंकि वह स्थिरता, संतुलन, शांति, सत्य, पवित्रता, करुणा और न्याय के प्रतीक हैं। हम उन्हें इसलिए पूजते हैं क्योंकि उनमें एक महान सभ्यता के निर्माण के लिए जरूरी गुण समाए हैं।

चीन के मुकाबले को रणनीतिक तैयारी

—डॉ. लक्ष्मी शंकर यादव—

थल सेनाध्यक्ष की टिप्पणी कि चीन सीमा के पास हालात स्थिर हैं पर संवेदनशील हैं, गहरे निहितार्थ लिए हुए है। यह हकीकत है कि चीन की सीमा पर उसके साथ पिछले वर्ष जो तनाव शुरू हुआ था वह अभी तक समाप्त नहीं हुआ है। अब चीन सीमा के नजदीक भारतीय सेना पूरे वर्ष मुंहतोड़ जवाब देने के लिए तैयार रहेगी। रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण सेला टनल के तैयार हो जाने से भारतीय सेना के जवानों की पहुंच हर मौसम में चीन सीमा तक बनी रहेगी। यह टनल चीन सीमा तक पहुंचने के लिए प्राकृतिक रास्ते सेला दर्रे से 4200 मीटर तक खुदाई करके बनाई गई है। सेला दर्रा जहां कुछ माह बर्फ से ढके रहने के कारण बंद रहता है वहीं सेला टनल पूरे वर्ष आवागमन के लिए खुली रहेगी। इस टनल की मदद से भारतीय सेना पूरे वर्ष आसानी से वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर सैनिकों एवं हथियारों की तैनाती कर सकेगी। इसके अलावा यह टनल चीन के सीमावर्ती इलाके से अरुणाचल प्रदेश और देश के बाकी हिस्से को पूरे वर्ष जोड़े रखेगी। दरअसल, इस सुरंग का शिलान्यास 1 अप्रैल, 2019 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया था। अब इसका काम पूरा होने वाला है और अब प्रधानमंत्री कभी भी इसे देश को समर्पित कर सकते हैं।

चीन ने पैंगांग झील के उत्तरी हिस्से में अपनी सेनाएं तैनात कर रखी हैं। ऐसे में भारतीय सेना अपने नियंत्रण वाले ऊंचाइयों के स्थानों को छोड़ने के पक्ष में बिल्कुल नहीं है। चीन सीमा पर भयंकर सर्दी पड़ने के कारण मौसम खराब रहता है इसके बावजूद सेना ने वहां पर जमे रहने की अपनी पूरी तैयारी कर रखी है। ऐसे में चीन सीमा पर बराबर लम्बे समय तक डटे रहने और सर्दी से बचने के उपायों की तैयारी पूरी कर ली गई है। उल्लेखनीय है कि दोनों देशों की सेनाओं के कमांडरों के बीच कई दौर की वार्ता बेनतीजा रही है। ऐसे में एलएसी पर तैनाती बनाए रखना आवश्यक है क्योंकि चीन ने अरुणाचल प्रदेश से लद्दाख तक, हिमाचल प्रदेश व उत्तराखण्ड से सटी अंतर्राष्ट्रीय सीमा तक अपनी सैन्य तैयारी बढ़ा रखी है।

इस बार जब पंद्रह जनवरी को देश सेना दिवस मनाएगा, तो सेना नये आत्मविश्वास से भरी होगी। सेना के आधुनिकीकरण के तमाम उपायों को मूर्त रूप दिया गया है। चालू वर्ष में भारतीय सेना हल्की बुलेटप्रूफ जैकेट से लैस हो जाएगी। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने दुनिया की पहली बीआईएस लेबल 5 एवं बीआईएस लेबल 6 की सबसे हल्की एवं मजबूत मेड इन इंडिया अभेद्य दो तरह की बुलेटप्रूफ जैकेट बनाने में सफलता हासिल कर ली है। फिलहाल भारतीय सेना के जवान बीआईएस लेबल 5 की 10 किलोग्राम वजन वाली विदेशी जैकेटों का प्रयोग करते हैं। नई जैकेटें वजन में हल्की होने के साथ ही साइज में अधिक चौड़ी हैं व स्नाइपर गन की 6 से 8 गोलियां झेल सकती हैं।

चीन व पाकिस्तान की सीमा पर बेहतर निगरानी के लिए थल सेना के सभी कमांड केन्द्र व अन्य सेनाओं से तालमेल बनाए रखने हेतु जल्द ही नया सेटेलाइट बनाया जाएगा। इसका निर्माण इसरो द्वारा किया जाना है। इसके लिए रक्षा मंत्रालय ने गत वर्ष न्यू स्पेस इंडिया से 2963 करोड़ रुपये का समझौता किया था। यह सैन्य उपग्रह तकरीबन पांच टन वजन का होगा। यह एक एडवांस्ड कम्यूनिकेशन सेटेलाइट होगा जो सेना के हर मिशन की सटीक जानकारी देगा और खुफिया संचार में भी मदद करेगा। यह एक प्रकार का जियोस्टेशनरी उपग्रह होगा, जिससे रियल टाइम इमेजरी हो सकेगी तथा इलेक्ट्रॉनिक इंटेलिजेंस के जरिए सर्विलांस करना आसान होगा। वहीं किसी भी स्थिति में निपटने के लिए भारतीय सेना ने जम्मू–कश्मीर की उत्तरी व पश्चिम सीमा पर स्वदेश निर्मित हाईटेक ड्रोन की तैनाती कर रखी है।

चीन सीमा पर सैन्य ऑपरेशन के दौरान गोला–बारूद की आपूर्ति, मशीनगनों और राइफलों के मेंटिनेंस पर भी सेना सजग है। इन मसलों को लेकर अक्तूबर, 2023 में मध्य भारत एरिया के सैन्य मुख्यालय में 6 राज्यों के सैन्य कमांडर एवं वरिष्ठ सैन्य अधिकारी एकत्र हुए थे। मुख्य मुद्दा गोला–बारूद के स्टॉक को तत्काल सीमा तक पहुंचाने का था। भारतीय सेना ने अपनी हवाई रक्षा क्षमता को बढ़ावा देने की दिशा में भी अपने कदम बढ़ा लिए हैं।

नेपाल में दो भारतीयों सहित 12 यात्रियों की हादसे में मौत

संवाददाता–बहराइच। नेपालगंज से सवारियों को लेकर काठमांडु जा रही यात्रियों से भरी बस दांग जिले के राप्ती नदी पर पहुंचते ही हादसे का शिकार हो गई। पहिया जाम होने की वजह से बस असंतुलित होकर नदी में जा गिरी। इसमें सवार दो भारतीय सहित 12 लोगों की मौत हुई है। 23 लोग घायल हुए हैं। नेपालगंज, बुटवल के अस्पतालों में घायलों का उपचार चल रहा है। इनमें पांच की हालत गंभीर बनी हुई है। नेपाल पुलिस के मुताबिक शुक्रवार दोपहर में यात्रियों को लेकर नेपाल ट्रांसपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड की एक बस नेपालगंज से काठमांडू के लिए रवाना हुई। बस जब शुक्रवार रात को महेंद्र हाईवे पर दांग जिले के भालुबांग में पहुंची तभी तकनीकी खराबी के चलते बस अनियंत्रित होकर पुल से राप्ती नदी में जा गिरी। बस पुल में गिरने के बाद चीख पुकार मच गई। अंधेरा होने के चलते हादसे के बाद अफरा–तफरी की स्थिति बन गई। बांके पुलिस के अनुसार हादसे में 60 वर्षीया कुसुम बस्नेत, 30 वर्षीय राम बरन हरिजन, खजुरा निवासी 25 वर्षीय संजय केसी, मकवानपुर निवासी 39 वर्षीय सौरभ विष्ट, काठमांडू निवासी 65 वर्षीय ताराकांत पांडेय, उत्तर प्रदेश निवासी 31 वर्षीय मुने, जुम्ला निवासी 40 वर्षीय मुन बहादुर रावत, रुकुम निवासी 25 वर्षीय दीपक कामी व भारत के बिहार निवासी 67 वर्षीय जोगेंद्र राम की मृत्यु हुई है। बस में कुल 35 यात्री थे। घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्रीय लोग व पुलिस मौके पर पहुंच गई। नेपाल पुलिस के मुख्य निरीक्षक उज्जवल बहादुर सिंह ने बताया कि रात में ही राहत और बचाव कार्य युद्ध स्तर पर शुरू कर दिया गया था। शवों को पोस्टमार्टम के लिए लमही मुख्यालय भेजा गया है। घायलों को कोहलपुर के नेपालगंज टीचिंग अस्पताल पहुंचाकर भर्ती कराया गया है। जनक मल्ल, डीएसपी, दांग,नेपाल राष्ट्र ने कहा कि घायल चालक लाल बहादुर नेपाली के बयान के अनुसार पहिये का साफ्ट फेल हो गया था। स्टेरिंग घुमाने के बाद भी पहिया नही घुमा। इसलिए बस रेलिंग तोड़ते हुए राप्ती नदी में जा गिरी। इंजन का परीक्षण किया जाएगा।

22 जनवरी को मनाया जाएगा दीपोत्सव डीएम ने छठ घाट का किया निरीक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

महराजगंज। शनिवार को जिलाधिकारी अनुनय झा ने बलिया नाला छठ घाट, जिला उद्योग पोखरा, हनुमानगढ़ी स्थित हनुमान मंदिर और रामजानकी मंदिर का निरीक्षण कर 22 जनवरी को राम मंदिर प्राणप्रतिष्ठा कार्यक्रम के के संदर्भ में निरीक्षण कर साफ सफाई और दीपोत्सव आयोजित करने के संदर्भ में निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने बलिया नाला स्थित छठ घाट को देखा और नाले और छठ घाट की साफदृसफाई कर 22 को दीपोत्सव आयोजित करने का निर्देश दिया। उन्होंने हनुमानगढ़ी स्थित हनुमान मंदिर और रामजानकी मंदिर को भी देखा और नगर पालिका को मंदिरों के रंगदृरोगन हेतु निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने कहा कि इस अवसर पर घाट और मंदिरों को सुंदर ढंग से सजाएं। उन्होंने जिला उद्योग स्थित पोखरे का भी अवलोकन करते हुए उसकी साफदृसफाई और सजावट के विषय में जरूरी निर्देश देते हुए कहा कि श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा एक बेहद महत्वपूर्ण सांस्कृतिक आयोजन है और इसके संदर्भ में शासन के निर्देशानुसार सभी मंदिरों और सार्वजनिक भवनों की साफदृसफाई और साजसज्जा को सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा की इस अवसर पर मंदिरों में भजन कीर्तन आदि का भी आयोजन करें। इस अवसर पर एसडीएम सदर दिनेश कुमार मिश्रा, ईओ नगर पालिका परिषद आलोक कुमार मिश्रा, नायब तहसीलदार देश दीपक त्रिपाठी आदि उपस्थित रहे।

10 दिन में पकड़ा गया तीसरा तेंदुआ, अब तक छह बच्चे बन चुके थे शिकार

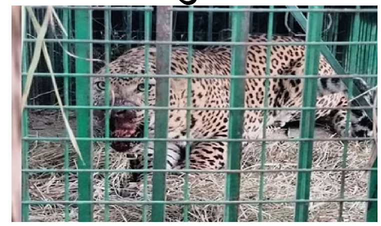

संवाददाता–बलरामपुर। हरैय्या सतघरवा थाना क्षेत्र के धर्मपुर गांव में शनिवार की सुबह तेंदुआ पिंजड़े में कैद हो गया। इससे पहले भी दो तेंदुए बरहवा रजें के बेलवा व लालनगर सिपहिया गांव में कैद हो चुके हैं। पिछले 10 दिनों में वन विभाग द्वारा यह तीसरा तेंदुआ पकड़ा गया है। पकड़े गए तेंदुए को जनकपुर रेंज में ले जाया गया है।

बताते चलें कि बीते तेंदुए ने 11 दिसंबर को धर्मपुर गांव में दस वर्षीय समीर अंसारी को अपना निवाला बनाया था। बच्चे की मौत के सदमे में दूसरे दिन उसके बाबा मोहर्रम अली की हार्ट अटैक से मौत हो गई थी। तेंदुए द्वारा बच्चे को निवाला बनाये जाने से गांव में दहशत का माहौल था। तेंदुए को पकड़ने के लिए वन विभाग द्वारा गांव में जाल बिछाने के साथ ही पिंजरा भी लगाया था।

शनिवार की सुबह गांव में लगाए गए पिंजरे में तेंदुआ कैद हो गया। तेंदुआ पकड़े जाने से क्षेत्रवासियों ने राहत की सांस ली है। गांव में तेंदुआ का आतंक कम हो गया है। इससे पूर्व चार जनवरी को बेलवा गांव में तथा सात जनवरी को लालनगर सिपहिया गांव में भी तेंदुआ पकड़ा जा चुका है।

बरहवा रेंज के लालनगर सिपहिया गांव में चार नवंबर को वंदिनी व 11 नवंबर को अरुण वर्मा तेंदुए का निवाला बने थे। 16 नवंबर को बेलवा गांव में विकास, 24 नवंबर को बनकटवा गांव में रितेश, तीन दिसंबर को भगवानपुर गांव में अनुष्का व 11 दिसंबर को धर्मपुर गांव में समीर अंसारी की जान तेंदुआ ले चुका है।

बलरामपुर के डीएफओ डॉ. एम सेम्मारन का कहना है कि धर्मपुर गांव में शनिवार की सुबह पिंजरे में कैद हुआ नर तेंदुआ सात वर्ष का है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे में इसी तेंदुए की तस्वीर कैप्चर हुई थी। काफी दिनों से वन विभाग की टीम इस तेंदुए की तलाश कर रही थी। इस तेंदुए को जनकपुर रेंज में ले जाया गया है। शासन से अनुमति मिलने पर इस तेंदुए को बाहर भेजा जाएगा।

थाना दिवस में प्राप्त शिकायतों का समय से हो निस्तारण–डीएम

संवाददाता–श्रावस्ती। शनिवार को थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें डीएम एसपी समेत अन्य अधिकारियों ने लोगों की शिकायत सुनी। जिसमें से शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया साथ ही शेष शिकायतों के निस्तारण को मातहतों को निर्देशित किया गया। थाना हरदत्त नगर गिरंट व थाना मल्हीपुर में आयोजित थाना समाधान दिवस में जिलाधिकारी कृतिका शर्मा व पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने लोगों की शिकायत सुनी। इस दौरान थाना हरदतनगर गिरंट में नौ व मल्हीपुर में छह प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। प्राप्त सभी प्रार्थना पत्रों को टीम बनाकर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के लिए निर्देशित किया गया। डीएम व एसपी ने कहा कि थाना समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों का समय से निस्तारण किया जाय। इसी तरह भिनगा कोतवाली में एसडीएम पीयूष जायसवाल, सीओ भिनगा अतुल कुमार चौबे ने फरियादियो की शिकायत सुनी। यहां 10 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। जिसमें से दो का निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों के निस्तारण को मातहतों को निर्देशित किया गया।

अयोध्या उत्सव के लिए सज संवर रहा गोण्डा रेलवे स्टेशन

संवाददाता–गोंडा। अयोध्या उत्सव में श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे की तरफ से गोंडा को विकल्प के रूप में तैयार करने की कवायद तेज कर दी गई है । रेलवे स्टेशन को नए तरीके से सजाया – संवारा जा रहा है। रेलवे के उच्चपदस्थ अधिकारी बार–बार गोंडा के विभिन्न विभागों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे हैं, जिससे उत्सव के दौरान किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े और आने वाले श्रद्धालु भी आराम से अयोध्या तक पहुंच सके। इसके साथ ही गोंडा के रेल कर्मियों और रेल अस्पताल के स्वास्थ्य कर्मियों और चिकित्सकों को भी वहां पर लगाया जाएगा जिससे प्राथमिक उपचार की व्यवस्था संभाल सके। श्री राम की नगरी अयोध्या में उत्सव की तैयारी का जायजा लेने के लिए रेलवे की सीआरबी श्रीमती जया वर्मा ने कटरा स्टेशन रामघाट के अलावा मुख्य सभी स्टेशनों का निरीक्षण करने के बाद की तैयारी का जायजा लिया और रेलवे के उच्च अधिकारियों को उचित दिशा निर्देश दिए। उन्होंने चेतावनी दी कि अयोध्या में हो रहे उत्सव के दौरान किसी प्रकार की श्रद्धालुओं को परेशानी नहीं होनी चाहिए। यही नहीं उन्होंने निर्देशित किया कि ट्रेनों के संचालन में भी किसी प्रकार की दिक्कत नहीं होनी चाहिए। सभी व्यवस्थाओं का जायजा लेने के बाद में वह यहां से वापस चली गई, इसके बाद रेलवे के स्वास्थ्य विभाग की महानिदेशक डॉक्टर श्रीमती सुगंधा राहा लखनऊ डिवीजन के उप मंडलीय रेलवे चिकित्सालय गोंडा का औचक निरीक्षण किया, जिसमें उन्होंने इमरजेंसी सेवाओं की स्थिति को बारीकी से देखी। इसके अलावा अस्पताल के अन्य सेवाओं पर भी चिकित्सकों से मीटिंग की, जिसमें उन्होंने बताया कि आपदा प्रबंधन की जिम्मेदारियां गोंडा रेल अस्पताल को संभालनी पड़ सकती हैं। इसके लिए बराबर तैयारी की जाए। रेलवे की महाप्रबंधक सौम्या माथुर ने भी गोंडा स्टेशन का जायजा लिया। उन्होंने सबसे पहले स्टेशन के सभी प्लेटफॉर्मों का निरीक्षण किया। इसके बाद रेलवे अस्पताल पहुंची महा प्रबंधक ने निरीक्षण के दौरान कमियों में तत्काल सुधार करने का निर्देश दिया। रेलवे के उच्च पदस्थ अधिकारियों के बराबर गोंडा आवागमन के अलावा तैयारी की स्थिति का जायजा लेने के बाद में अब यह स्पष्ट हो गया कि गोंडा को अयोध्या में उत्सव के दौरान वहां के स्टेशन यार्ड के अलावा अन्य सभी व्यवस्थाओं में विकल्प के रूप में तैयार किया जा रहा है। जिससे यहां के यार्ड और स्टेशन तथा श्रद्धालुओं के बीमार होने पर प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल को भी उच्च अधिकारियों के दिए गए निर्देश के अनुसार जिम्मेदारी संभालती पड़ सकती है। इसके लिए इस स्टेशन को तैयार किया जा रहा है जिससे किसी प्रकार की दिक्कत उत्सव के दौरान न होने पाए।

पूर्वोत्तर रेलवे का सबसे बेहतर यार्ड गोंडा स्टेशन का है जिसका अयोध्या में होने वाले उत्सव के दौरान रेलवे की तरफ से उपयोग किया जा सकता है। इसके लिए अधिकारी बराबर गोंडा स्टेशन पहुंचकर स्थिति का जायजा ले रहे हैं और यहां के अफसर से वार्ता करके यहां की तैयारी के बारे में जानकारी भी ले रहे हैं। जिससे समय पर इसका उपयोग किया जा सके। बताया तो यहां तक जा रहा है कि उत्सव के दौरान अयोध्या में गाड़ियों की संख्या काफी अधिक हो जाएगी जिसके फलस्वरुप मनकापुर और गोंडा स्टेशन का उपयोग किया जाएगा। अयोध्या स्टेशन से सबसे नजदीक अस्पताल यदि देखा जाए तो पूर्वोत्तर रेलवे के उप मंडलीय चिकित्सालय गोंडा ही है। रेलवे इसी कारण इस अस्पताल को काफी तैयारी करके बेहतर बनाना चाह रहा है जिससे आपात स्थितियों में आपदा प्रबंधन के दौरान इस अस्पताल का फायदा लिया जा सके। बताया जाता है कि देश के कोने–कोने से आने वाले श्रद्धालुओं की अयोध्या में उत्सव के दौरान संख्या काफी अधिक हो जाएगी जिससे इस अस्पताल को तैयार किया जा रहा है जिससे कहीं भी दिक्कत होने पर इस अस्पताल का उपयोग रेलवे आसानी से कर सकता है और श्रद्धालुओं को आसानी से प्राथमिक उपचार नजदीक में मिल सकता है।

प्राण प्रतिष्ठा की खुशियां मिलजुलकर मनाएं –थानाध्यक्ष

संवाददाता–गोंडा। आगामी 22 जनवरी अयोध्या में होने वाले रामलला के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर पुलिस ने क्षेत्र के गणमान्य लोगों के साथ बैठक की। बैठक में लोगों से निर्विवाद रूप से उल्लासपूर्ण महौल में खुशियां मनाने का आह्वान किया। स्थानीय थाना परिसर में थानाध्यक्ष दिनेश सिंह ने स्थानीय व ग्रामीण क्षेत्र के गणमान्य लोगों की बैठक में कहा कि आगामी 22 जनवरी को अयोध्या में सम्पन्न होने वाले प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को सभी लोग मिलजुल कर अच्छे माहौल में मनाएं। इस दौरान कोई ऐसा कार्य न हो जिससे किसी को ठेस पहुंचे । उन्होंने कहा कि उक्त कार्यक्रम कों देखते हुए कोई भी किसी रिश्तेदार या बाहरी व अपराधी प्रवृत्ति के लोगों को अपने घर पर न रुकने दें। क्योंकि ऐसे लोगों से माहौल खराब हो सकता है। थानाध्यक्ष श्री सिंह ने उपस्थित लोगों से आवाहन करते हुए कहा कि अपने आस पास के मंदिरों को आकर्षक लाइट व फूल माला आदि से सजाकर भजन कीर्तन तथा अनुष्ठान शांतिपूर्ण महौल में करें। इस दौरान कोई भी वाहन स्वामी अयोध्या जाने के लिए बुक न करे। वहीं अपने निजी वाहन से भी अयोध्या जाना प्रतिबंधित है। बैठक में नगर पंचायत तथा ग्रामीण क्षेत्र के कई गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

75 वें राम प्राकट्य महोत्सव की शोभायात्रा आज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या ।75 वां श्री राम प्राकट्य महोत्सव के अवसर पर अयोध्या के सभी संत महंत धर्माचार्य और गणमान्य नागरिक गण क्षीरेश्वरनाथ अयोध्या जी से दोपहर 2 बजे से रामकोट की परिक्रमा प्रारम्भ करेंगे जिसमे हजारों की संख्या में संस्कृत के छात्र अयोध्यावासी के साथ–साथ आसपास के जनपदों के श्रद्धालु भी भाग लेंगे। 12 जनवरी को श्री राम जन्मभूमि सेवा समिति के अध्यक्ष डॉ रामविलास वेदांती महाराज के संयोजन में समिति के सभापति महंत धर्मदास, संरक्षक महंत सत्येंद्र दास, कोषाध्यक्ष महंत जनार्दन दास, संयुक्त मंत्री महंत जयरामदास,महामंत्री अच्युत शंकर शुक्ला ने पूजित कलश श्री राम लला पुजारी को समर्पित किया 3 दिन पूजन के बाद 14 जनवरी को कलश के साथ भव्य शोभा यात्रा निकाली जाएगी।

समिति के अध्यक्ष डॉ रामविलास वेदांती के उत्तराधिकारी शिष्य डॉक्टर राघवेश दास वेदांती ने प्रेस से मुखातिब होते हुए बताया कि यह उत्सव तो हर वर्ष पौष शुक्ल तृतीया को मनाया जाता रहा है, कोरोना काल मे भी प्रतीकात्मक रूप से मनाया गया था,अब जब श्री रामलला टाट से अपने विशालमन्दिर मे ठाठ से विराजमान होने जा रहे हैं तो इस उत्सव को भी विशेष तैयारी से मनाया जा रहा है जिसमे श्री रामजन्मभूमि उद्धारक पूज्य संत स्वामी श्री अभिराम दास की प्रतिमा,तत्कालीन जिला मजिस्ट्रेट ठाकुर श्री गुरुजन सिंह की प्रतिमा भगवान श्री सीताराम की झांकी तथा गुरु वशिष्ठ जी का चित्र 5 रथ पर विराजमान रहेंगे और श्री हनुमान जी का निशान भी यात्रा में शामिल रहेगा। यात्रा गाजे बाजे के साथ बहुत ही धूमधाम से दुराही कुंआ कोसलेस सदन ,कटरा अशर्फी भवन चौराहा होते हुए सब्जी मंडी, हनुमानगढ़ी चौराहा होते हुए रामकोट की परिक्रमा करते हुए पुनः श्री क्षीरेश्वर नाथ पहुंच कर प्रसाद वितरण के साथ विराम होगी। जिसमें अयोध्या के सभी संत महंत सम्मिलित होंगे।

कांग्रेस ने तो सुप्रीम कोर्ट में रामजन्म भूमि को बताया था काल्पनिक -शाही

संवाददाता–देवरिया। प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने अयोध्या में भगवान राम के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के निमंत्रण को अस्वीकार करने को लेकर कांग्रेस पर शनिवार को हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने तो सुप्रीम कोर्ट में अयोध्या में श्रीराम जन्म भूमि को कहानी और कल्पना बताया था। यह कार्यक्रम केवल भाजपा, विहिप या संघ का नहीं है, बल्कि भगवान राम कोटि कोटि लोगों में बसे हुए हैं और लोग इसकी तैयारी कर रहे हैं। पत्रकारों से बातचीत में श्री शाही ने एक सवाल के जवाब में कहा कि प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में बहुत से लोग आ रहे हैं। आज समाचार पत्रों में मैने पढ़ा कि दो शंकराचार्यो ने कार्यक्रम को अपना आशीर्वाद दिया है तथा आने की बात कही है। जहाँ तक कांग्रेस का सवाल है तो उसने तो सुप्रीम कोर्ट में राम जन्म भूमि को कहानी व काल्पनिक बताया था। कांग्रेस का शुरू से ही इसमे विश्वास नहीं रहा। जो लोग रामलला का दर्शन नहीं कर सकते हैं, वह लोग मंदिर क्या बनवाएंगे। वह लोग हम लोगों से पूछते थे कि राम मंदिर कब बनवाएंगे। अब जबकि पांच सौ वर्षो बाद भगवान राम अपनी जन्म भूमि पर आ रहे हैं तो सवाल खड़ा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का निमंत्रण देने का कार्य मंदिर समिति कर रही है। यह कार्यक्रम केवल भाजपा, संघ व विहिप का नहीं है, बल्कि देश की कोटि कोटि जनता का है। पूरे देश की आस्था के केंद्र में भगवान राम बसे हैं और लोग इसकी तैयारी भी कर रहे हैं। उन्होंने स्वामी प्रसाद मौर्य के बयानों के सवाल पर कहा कि उनके बेतुके बयानों के चलते ही अभी हाल ही में कुशीनगर की जनता ने दण्डित किया है। चंपत राय के सम्प्रदाय सम्बंधित बयान पर श्री शाही ने कहा कि मैंने इसे नहीं सुना है।

निरीक्षण में अधीक्षक व सीएचओ समेत कई मिले गैरहाजिर

संवाददाता–बलरामपुर। अपर सीएमओ डा. बीपी सिंह ने शनिवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र रेहरा बाजार व हेल्थ वेलनेस तथा सब सेंटर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र रेहरा बाजार के अधीक्षक व हेल्थ वेलनेस तथा सब सेंटर के सीएचओ ड्यूटी से गायब मिले। साथ ही स्वास्थ्य केन्द्रों पर कई अन्य अनियमितताएं मिली हैं, जिसे सुधारने का उन्होंने सख्त निर्देश दिया है। अपर सीएमओ डा. बीपी सिंह ने शनिवार को सहजौरा रेहरा बाजार स्थित सब सेंटर का निरीक्षण किया। यह सेंटर अनूप कुमार मौर्य के मकान में किराए पर चल रहा था। शनिवार को सब सेंटर पर हेल्थ कैम्प का आयोजन होता है, लेकिन यहां तैनात सीएचओ अनुराग सिंह ड्यूटी से गायब थे। एसीएमओ को ग्रामीणों ने अवगत कराया कि सीएचओ कभी कभार ही सब सेंटर पर आते हैं, जिससे इसका लाभ लोगों को नहीं मिल रहा है। एसीएमओ ने हेल्थ वेलनेस सेंटर मुबारकपुर का निरीक्षण किया। यहां पर तैनात सीएचओ विजय सिंह अनुपस्थित पाए गए। सेंटर पर ताला लगा हुआ था। परिसर और उसके आस पास झाड़ियां उगी थीं। एसीएमओ ने बताया कि उन्हें लोगों ने अवगत कराया कि यह सेंटर कभी खुलता ही नहीं है। इसी क्रम में एसीएमओ डा. सिंह ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र रेहरा बाजार का भी निरीक्षण किया। इस दौरान अधीक्षक डा. उत्कर्ष मिश्र, बीपीएम शैलेन्द्र यादव, बीसीपीएम अरुण कुमार अनुपस्थित पाए गए। इन सभी से दूरभाष पर सम्पर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन किसी से सम्पर्क नहीं हो पाया। यहां तैनात लिपिक शरद कुमार भी अपनी ड्यूटी पर नहीं थे। एसीएमओ ने बताया कि लिपिक का हस्ताक्षर अलग–अलग राइटिंग में रजिस्टर पर दर्ज था। इससे यह प्रतीत हो रहा है कि लिपिक का हस्ताक्षर कोई और बना रहा है। उपस्थित पंजिका पर चिकित्सक का नाम दर्ज नहीं पाया गया। ओपीडी रजिस्टर में चिकित्सक दवाओं का नाम नहीं लिख रहे हैं। आरबीएसके के चिकित्सक डा. केडी गौतम मरीजों को देख रहे थे। एसीएमओ ने बताया कि रेहरा बाजार के अधीक्षक से सीएचओ से सम्बन्धित रिपोर्ट तलब की जाएगी। जांच रिपोर्ट सीएमओ व अन्य उच्चाधिकारियों को सौंपी जाएगी। लापरवाह चिकित्सक व कर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

अटल आवासीय विद्यालय में प्रवेश के लिए 25 जनवरी को परीक्षा

संवाददाता–गोंडा। मनकापुर के सिसवा गांव में संचालित अटल आवासीय विद्यालय में नए शैक्षिक सत्र में प्रवेश के लिए 25 जनवरी के प्रवेश परीक्षा करायी जायेगी। सीडीओ एम अरुणमौली ने बताया कि नए सत्र में कक्षा 6 की 140 व कक्षा 9 की 140 सीटों पर प्रवेश दिया जायेगा। जिसमे से 70 – 70 सीटें बालक और बालिका वर्ग के लिए आरक्षित की गई हैं। डीआईओएस राकेश कुमार को परीक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सिसवा गांव में 71.40 करोड़ रुपये की लागत से निराश्रित और श्रमिकों के लिए अटल आवासीय विद्यालय की निर्माण कराया गया है। इस विद्यालयघ् में गरीब ,निराश्रित, निर्माण श्रमिक व कोविड महामारी के दौरान अनाथ हुए बच्चों को कक्षा 6 से इंटर तक की मुफ्त शिक्षा दी जा रही हैघ। पढ़ाई के साथ ही बच्चों के रहने व खाने की भी निशुल्क व्यवस्था है। इसी शैक्षिक सत्र में इस विद्यालय का संचालन शुरू हुआ हैघ। अभी यहां केवल कक्षा 6 की पढ़ाई हो रही हैघ।

कक्षा 6 में पढ़ने वाले छात्र छात्राएं इस बार कक्षा सात में पहुंच जायेंगे। वहीं नए सत्र से इस विद्यालय में कक्षा 9 की पढ़ाई भी प्रारंभ हो जायेगी। बीएसए प्रेमचंद यादव ने बताया कि नए सत्र मे कक्षा 6 में 140 व कक्षा 9 में 140 यानि कुल 280 छात्र छात्राओं को प्रवेश देने की तैयारी है। इसके लिये 25 जनवरी को प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया है। परीक्षा की जिम्मेदारी जिला विद्यालय निरीक्षक को सौंपी गयी है।

पाक अधिकृत कश्मीर वापसी के लिए हनुमत महायज्ञ का उद्घाटन आज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। श्री राम लला की प्राण प्रतिष्ठा और पद्म विभूषण से सम्मानित जगतगुरु रामानंदाचार्य स्वामी रामभद्राचार्य महाराज के 75 वें जन्मोत्सव के अवसर पर प्रभु श्री राम की जन्मस्थली अयोध्या के बड़े भक्तमाल की बगिया पंचकोसी परिक्रमा मार्ग पर 14 से 22 जनवरी तक 9 दिवसीय अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है जिसमें 1008 कुंडीय हनुमत महायज्ञ पाक अधिकृत कश्मीर के भारत में विलय के संकल्प के लिए होगा। प्रेस से मुखातिब होते हुए तुलसी पीठ के उत्तराधिकारी आचार्य रामचंद्र दास महाराज ने बताया कि 500 वर्षों के संघर्ष के बाद प्रभु श्री राम अपने भव्य नव्य दिव्य मंदिर में 22 जनवरी को विराजमान होंगे और उन्हीं की कृपा से इस वर्ष गुरुदेव भगवान का 75वां जन्मोत्सव अमृत महोत्सव के रूप में अवध धाम में मनाया जा रहा है। जिसमें भारत मां के सिर का मुकुट अधूरा है उसको पूरा करने के लिए हनुमान जी से इस संकल्प के साथ यज्ञ का शुभारंभ होगा कि वह भी हिस्सा भारत का हो जाए।

उन्होंने कहा पूरे विश्व में जितने सनातन धर्म को मानने वाले या भगवान राम में आस्था रखने वाले हैं वह सब हर्षित हैं और अयोध्या आना चाहते है मैं सभी को इस महायोजना में आमंत्रित करता हूं किसी प्रकार का कोई पास नहीं है सभी लोग सादर आमंत्रित हैं उन्होंने बताया कि प्रतिदिन प्रात 8:00 बजे से 1200 ब्राह्मणों किस सहयोग से हवन किया जाएगा और श्री राम मंदिर के उद्घाटन के अवसर पर पूर्ण होती होगी। प्रतिदिन सायं 4 बजे से 6 बजे तक जगतगुरु रामभद्राचार्य महाराज श्री राम कथा श्रवण कराएंगे। कार्यक्रम में अपराह्न 2:00 बजे से 3:30 बजे तक सांस्कृतिक संध्या की पहली प्रस्तुति होगी और शाम 6:30 बजे से 8:30 बजे तक दूसरी प्रस्तुति होगी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से 14 जनवरी को माननीय अवस्थी 15 को शर्मा बंधु 17 को पद्मश्री हेमा मालिनी 18 को कन्हैया मित्तल 19 को मनोज मुक्तसर 20 को अनूप जलोटा 21 को कुमार विश्वास 22 को सांस्कृतिक कला संगम द्वारा द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा। इसके अतिरिक्त पद्मश्री नलिनी कमलिनी सुनील जोगी अनामिका जैन नंबर मनोज तिवारी रवि किशन दिनेश लाल निरहुआ इत्यादि के सहित 30 कला साधकों द्वारा पूज्य गुरुदेव के प्रति अपने भाव प्रकट करेंगे।

उन्होंने बताया कि इसके अलावा अमिताभ बच्चन स्वामी रामदेव हमारे गुरु भाई बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर राजनीतिक हस्तियां सहित हजारों की संख्या में लोग उपस्थित होंगे। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन 11 बजे से 1 बजे तक प्रबुद्ध वर्ग के 75 लोगों को पूज्य गुरुदेव संवाद करेंगे और बिहार से आए हुए कलाकारों द्वारा रंग बिरंगी 75000 दीपकों के माध्यम से पूज्य गुरुदेव का स्वरूप उकेरा जाएगा जो व्यक्तिगत रूप से दीपोत्सव का एक विश्व रिकॉर्ड होगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम की पूरी तैयारी हो गई है 40000 लोगों को प्रतिदिन रहने जलपान चाय और भोजन की व्यवस्था की गई है। 14 जनवरी को कार्यक्रम का शुभारंभ होगा और 22 जनवरी को समापन। इस अवसर पर हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास भी उपस्थित रहे।

गया था टीबी का इलाज कराने, दो माह बाद मिला कंकाल

संवाददाता–श्रावस्ती। दो माह पहले टीबी का इलाज कराने गए बिहारी लाल का कंकाल मिलने की जानकारी हुई तो परिजनों में हाहाकार मच गया। पत्नी श्यामा देवी गोण्डा के लिए रवाना हो गई है। परिवार के लोग अस्थियां आने का इंतजार कर रहे हैं। शनिवार को सुजानडीह निवासी बिहारी लाल के घर उसकी विवाहित पुत्री गायत्री देवी व दो नाबालिग बच्चे मिले। गायत्री देवी ने बताया कि तीन माह पहले नवरात्र पूजा के बाद मां श्यामा देवी पिता बिहारी लाल को लेकर अपने मायके गोंडा जिले के थाना मोतीगंज के कपिसा गढ़वा गांव गयी थी। पिता टीबी के मरीज थे जो गोंडा जिले में इलाज के लिए गए थे। वहां से वे अचानक गायब हो गए।

बाइक से कोचिंग जा रहे छात्र को डंपर ने रौंदा, मौके पर ही मौत

संवाददाता–बहराइच। बाइक से कोचिंग पढ़ने जा रहे एक छात्र को डंपर ने टक्कर मार दी। इस हादसे में छात्र की मौके पर ही मौत हो गई। घने कोहरे के चलते शनिवार की सुबह लखनऊ मार्ग पर यह हादसा हुआ है। हादसे के बाद चालक वाहन समेत भाग निकला। पुलिस ने छात्र के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज हादसा करने वाले वाहन व उसके चालक की तलाश शुरू की है। जरवल रोड थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह करीब आठ बजे बाइक से कोचिंग पढ़ने जा रहे ग्राम पंचायत तपेसिपाह मजरा बरखंडी पुरवा निवासी हर्षित राज (18) पुत्र कृष्ण पाल को जरवलरोड तिराहे के निकट हाईवे पर पेट्रोल टंकी के पास सड़क पर जा रहे एक तेज रफ्तार डंपर ने पीछे से टक्कर मार दिया। इस दुर्घटना में छात्र की मौके पर ही जान चली गई। हादसे के बाद पहुंचे स्थानीय लोगों ने छात्र को सीएचसी पहुंचाया लेकिन वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले की जानकारी पर पहुंची पुलिस ने हादसा करने वाले डंपर व उसके चालक की तलाश की लेकिन पता नहीं लग सका। प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार राव ने बताया कि हादसे के समय छात्र बिना हेलमेट लगाए बाइक चला रहा था। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले में आवश्यक कार्रवाई कर रही है। मृतक छात्र के पिता कृष्णपाल शिक्षामित्र है।

सीएम योगी ने 1150 महिलाओं को दिए मुफ्त सिलाई मशीन, बोले- आत्मनिर्भर बनाना सबसे जरूरी

गोरखपुर–संवाददाता। राम मंदिर प्राण–प्रतिष्ठा से पहले सीएम योगी आदित्यनाथ ने यूपी की 1150 महिलाओं को बड़ा तोहफा दिया है। सीएम योगी के हाथों तोहफा पाकर महिलाएं खुशी से झूम उठीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में आधी आबादी की सुरक्षा, स्वावलंबन और सम्मान सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है। महिलाओं को सुरक्षा का वातावरण देकर उनके स्वावलंबन और सम्मान के लिए केंद्र व प्रदेश सरकार की तरफ से अनेक योजनाओं का क्रियान्वयन किया गया है और उसके सकारात्मक परिणाम भी सामने आ रहे हैं। महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए ही पीएम मोदी ने नारी वंदन अधिनियम पारित कराकर संसद और विधानसभा में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण सुनिश्चित कराया है। सीएम योगी शनिवार को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के बैनर तले आयोजित मुफ्त सिलाई मशीन वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज के मैदान में हुए समारोह में 1150 महिलाओं और बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सिलाई मशीनों का वितरण किया गया। सभी को कंबल भी वितरित किया गया। 12 बालिकाओं को सिलाई मशीन व कंबल सीएम योगी ने खुद अपने हाथों से प्रदान किए। उन्नत भारत ग्राम अभियान के मिशन शक्ति के अंतर्गत महिलाओं और बालिकाओं को जेके ग्रुप कानपुर के सहयोग से मुफ्त सिलाई मशीन उपलब्ध कराने की यह अनूठी पहल महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद ने की है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आधी आबादी के सशक्तिकरण के बिना भारत को सशक्त और समर्थ नहीं बनाया जा सकता है। इसके लिए सुरक्षा का वातावरण देकर महिलाओं के स्वावलंबन का मार्ग प्रशस्त करना होगा। सुरक्षा और स्वावलंबन से ही सम्मान का भाव प्रकट होगा। केंद्र व प्रदेश की सरकार इन तीनों पहलुओं पर पूरी प्रतिबद्धता से काम कर रही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आधी आबादी को सशक्त बनाने के लिए मोदी जी ने प्रधानमंत्री बनने के बाद बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान शुरू किया। इसके बाद जनधन खातों, उज्ज्वला योजना, पीएम आवास योजना, गरीब कल्याण अन्न योजना, मातृ वंदना जैसी अनेक योजनाओं से इसे नई ऊंचाई मिली है। उत्तर प्रदेश सरकार ने भी मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, सामूहिक विवाह योजना व पेंशन की राशि बढ़ाकर महिलाओं की सशक्तिकरण के लिए कई कार्य शुरू किए हैं। कन्या सुमंगला योजना में चरणबद्ध तरीके से बेटी के जन्म से लेकर स्नातक की पढ़ाई तक 15 हजार रुपये की धनराशि दी जाती है। इस वित्तीय वर्ष से इस राशि को बढ़ाकर 25 हजार रुपये किया जाएगा।

गरीब बेटियों की शादी के लिए भी सरकार 51 हजार रुपये उपलब्ध कराती है। सीएम योगी ने कहा कि पूर्व की सरकारों में निराश्रित महिलाओं को मिलने वाली 300 रुपये की पेंशन राशि को एक हजार रुपये कर इस सरकार ने एक करोड़ निराश्रित महिलाओं, वृद्धजनों और दिव्यांगो को लाभान्वित किया है। सरकार ने स्वामित्व योजना से ग्रामीण महिलाओं को घरों का मालिकाना हक दिया है तो महिला स्वयं समूहों के जरिये भी महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए अनेक कदम उठाए हैं।

फरियादियों से मिले सीएम, अफसरों से बोले-पेंशन और मकान दिलाओ

गोरखपुर–संवाददाता। गोरखपुर दौरे पर आए सीएम योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को लोगों की फरियाद सुनने के साथ ही जल्द निस्तारण का आश्वासन भी दिया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि फरियादियों को हर वह सुविधाएं दिलाएं जिसके वे हकदार हैं। कहा कि इलाज के लिए आने वाले आवेदनों को तत्काल आगे बढ़ाएं। इसके साथ ही उन्होंने भू–माफियाओं पर अभियान चलाकर कार्रवाई का निर्देश दिया। कहा कि जनता दर्शन में जो भी शिकायतें आती हैं उनका समय से निस्तारण कराएं और फरियादी को फोन कर पूछें कि उनका काम हुआ या नहीं। सीएम योगी ने सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान करीब 250 लोगों से मुलाकात की। गोरखनाथ मंदिर परिसर के हॉल में कुर्सियों पर बैठाए गए आमजन तक वह खुद पहुंचे और एक–एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। समस्याओं को सुनने के साथ ही उन्होंने सभी को आश्वासन दिया कि जल्द ही उनके समस्याओं का निस्तारण होगा। सीएम से एक महिला ने पेंशन और मकान की गुजारिश की तो सीएम ने वहां मौजूद अफसरों से कहा कि महिला को पेंशन के साथ ही मकान भी दिलाएं। इसमें कोई लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

बंगाल में साधुओं की पिटाई पर राम जन्मभूमि के मुख्य पुजारी भड़के, बोले– 'वो ममता बनर्जी नहीं मुमताज खान हैं'

संवाददाता–अयोध्या। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें कुछ लोग तीन साधुओं को पीटते दिख रहे हैं। बताया जा रहा है ये वीडियो पश्चिम बंगाल का है। वीडियो सामने आने के बाद से राजनीति गलियारों में सियासी घमासान मच गया है। जानकारी के अनुसार, तीनों साधु गंगासागर मेला जा रहे थे, उसी दौरान भीड़ ने उन्हें अपहरणकर्ता समझकर बेरहमी से पिटाई करनी शुरू कर दी। वीडियो वायरल होने के बाद से ही बीजेपी पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर हमला कर रही है। इसी बीच इस वीडियो को लेकर अयोध्या राम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी सत्येंद्र दास ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। साथ ही बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर जमकर निशाना साधा। दरअसल, पूरी घटना पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले की बताई जा रही है, जहां गुरुवार शाम गंगासागर मेला जा रहे साधुओं ने रास्ते में किशोरियों से रास्ते के बारे में पूछा, जिसके बाद वो बच्चियां चिल्लाने लगीं। इतने में मौके पर स्थानीय लोग पहुंच गए और साधुओं को पकड़ लिया। पकड़ने के बाद उनके साथ मारपीट की। साथ ही उनकी गाड़ी का भी नुकसान कर दिया। सुचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और फिर किसी तरह उन साधुओं को लोगों के बीच से बचा कर निकाला। इसके बाद पुलिस ने दूसरी गाड़ी की व्यवस्था करके उन्हें गंगासागर मेला भेजा। इस मामले को लेकर अयोध्या के राम जन्मभूमि के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, किसी ने ममता बनर्जी का ठीक ही नाम निकाला है, वो ममता बनर्जी नहीं अब मुमताज खान बन गई हैं। उनकी दृष्टि मुसलमानों की ओर है, जो भी इस तरह की घटनाएं होती हैं उनमें से अधिकतर वहीं पर होती हैं।

सत्येंद्र दास ने कहा, हिन्दू जब रामनवमी का जुलूस निकालते हैं तो उन पर आक्रमण होता है। जब दुर्गा पूजा का पंडाल लगता है तो उसका विरोध किया जाता है। ये सब बंगाल में अधिक इसलिए होता है क्योंकि वहां की मुख्यमंत्री खुद इसके लिए प्रतिकूल हैं। उन्होंने आगे कहा कि इसलिए आज साधु और भगवा रूप देख लेती हैं तो ममता बनर्जी को और भी क्रोध आता है। और इसलिए वजह से वो उनपर आक्रमण कराती हैं, ये सब मुख्यमंत्री की देन है। बंगाल की इस सरकार में जो घटनाएं हो रही हैं वो बेहद दुखद और घोर निंदनीय है।

रामलला प्राण प्रतिष्ठा से पहले आज से यूपी में बड़ा अभियान, प्रधानों को सीएम योगी ने दिया बड़ा टास्क

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में श्रीरामलला की प्राण–प्रतिष्ठा से पूर्व पूरे प्रदेश को स्वच्छ और सुंदर बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हर गांव और हर गली में स्वच्छता अभियान चलेगा। विशेष अभियान के तहत सभी गांवों में 14 जनवरी को स्वच्छता को लेकर प्रतियोगिता का आयोजन हो और इसकी मॉनिटरिंग पंचायती राज विभाग करे। मुख्यमंत्री, शनिवार को प्रदेशभर के ग्राम प्रधानों और पंचायत प्रतिनिधियों से वर्चुअल संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि श्रीरामलला के विराजमान उत्सव को अभूतपूर्व उल्लास से तरंगित करने का कार्य 14 जनवरी को विशेष स्वच्छता अभियान से प्रारंभ हो जाएगा। हर कस्बे, हर गांव, हर परिवार और हर व्यक्ति की इसमें सहभागिता हो। देव मंदिरों को स्वच्छ बनाकर उन्हें सजाया जाए। प्रधान खुद प्रयास करने के साथ ही हर ग्रामवासी को जागरूक करें, उन्हें स्वच्छता का महत्व समझाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 22 जनवरी राष्ट्रीय उत्सव की तिथि है। पांच सौ वर्षों के इंतजार के बाद प्रभु श्रीराम के नव्य, भव्य और दिव्य मंदिर में विराजमान होने का उत्सव सिर्फ अयोध्या का नहीं है। यह हर गांव, हर घर और हर जन का उत्सव है। यह अभूतपूर्व उत्सव है तो हर गांव और हर घर तक तैयारियां भी उसी रूप में होनी चाहिए। यह प्रयास होना चाहिए कि श्रीरामोत्सव पर हर घर, देव मंदिर पर दीपोत्सव मने। घरों, मंदिरों और सार्वजनिक स्थानों पर रामनाम संकीर्तन हो। गांवों के अमृत सरोवरों पर भी दीपोत्सव मनाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को पूरी तरह बंद करना है। विशेष स्वच्छता अभियान इसके लिए बड़ा माध्यम बन सकता है। ग्राम प्रधानगण गांवों में सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने के लिए लोगों को जागरूक करें। उन्हें इसके खतरे के प्रति आगाह करें। सीएम ने कचरा प्रबंधन के लिए काम करने की अपील की तो वहीं अमृत सरोवरों को मॉडल के रूप में विकसित करने को भी प्रेरित किया।

कड़ाके की ठंड से कांपा पूर्वांचल, 4.9 डिग्री सेल्सियस रहा पारा

गोरखपुर–संवाददाता। रूस के साइबेरिया की तरफ से आ रही ठंडी हवाओं ने पूर्वी यूपी के मौसम को बदल दिया है। पूर्वांचल शीतलहर की चपेट में आ गया है। तापमान पांच डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया है। शनिवार को तड़के न्यूनतम तापमान 4.9 डिग्री सेल्सियस हो गया। यह इस सीजन की सबसे सर्द रात रही है। पहली बार तापमान इतने निचले स्तर पर इस सीजन में गया है। इससे पहले शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 8.3 डिग्री सेल्सियस था। जो कि सामान्य से आंशिक कम था। शनिवार को इसमें सबसे ज्यादा गिरावट हुई। सिर्फ 24 घंटे में न्यूनतम तापमान में 3.4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट हुई। न्यूनतम तापमान 4.9 डिग्री सेल्सियस हो गया। जो सामान्य से चार डिग्री सेल्सियस कम है। इससे पहले शुक्रवार को दिन में अधिकतम तापमान भी 15 डिग्री सेल्सियस था। यह भी सामान्य से छह डिग्री सेल्सियस कम रहा है। मौसम विशेषज्ञ केसी पांडेय ने बताया कि साइबेरिया की तरफ से बर्फीली ठंडी हवाएं हिमालय की तराई क्षेत्र की तरफ आ रही है। इस कोल्ड एयर मास कहते हैं। इन हवाओं के कारण मैदानी क्षेत्रों में शीत लहर शुरू हुआ है।

शनिवार को इस सीजन का सबसे ठंडा दिन रहा। आसमान में बादल छाए हुए हैं। यह कोहरे और धुंध के बादल हैं। सूरज बादलों की ओट में छिपा हुआ है। सर्द हवाओं के कारण रात में गलन बढ़ जा रही है। उन्होंने बताया कि अगले तीन से चार दिन तक मौसम ऐसे ही बना रह सकता है।

गांव में डकैती का पोस्टर चिपकाने पर चार पर मुकदमा

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में डकैती का पोस्टर चिपकाने के मामले में पुलिस ने चार लोगों पर केस दर्ज किया। दुधारा थाना क्षेत्र के पिठिया गांव की दीवालों पर पोस्टर लगा हुआ था। गांव के चौकीदार की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध कार्रवाई किया। साथ ही तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार करके कानूनी कार्रवाई पूरी होने के बाद न्यायालय प्रस्तुतकर जेल भेज दिया। दुधारा थाना क्षेत्र के पिठिया गांव निवासी भगवानदास ने पुलिस को दिए अपने प्रार्थना पत्र में बताया कि वह गांव के चौकीदार हैं। ग्राम सभा में कई जगहों पर पोस्टर लगा हुआ था जिसमें कुछ दिनों के अंदर डाका डालने के लिए लिखा गया था। इसकी वजह से गांव के अंदर लोगों के अंदर काफी डर बन गया था। जानकारी करने पर पता चला कि गांव के ही एक युवक का कम्प्यूटर की दुकान है जहां पर कूटरचित पोस्टर तैयार किया गया। पूर्व में भी कानपारा व दानों कुईयां में भी इस तरह का पोस्टर चिपकाया गया था। एसओ पंकज कुमार पांडेय ने बताया कि पिठिया गांव के चौकीदार की तहरीर पर कार्रवाई की गई है। पिठिया गांव के सोनू उर्फ शमीर, विपिन कुमार गौंड एवं रवी कुमार गौंड के विरूद्ध केस दर्ज किया गया है। आरोपी बाल अपचारी का कम्प्यूटर की दुकान है, जहां पर पोस्टर तैयार करके दहशत फैलाया गया था। पुलिस ने मामले में संलिप्त एक बाल अपचारी समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। उनके पास से कंप्यूटर व अन्य सामान बरामद कर जब्त किया गया है। इन सभी के खिलाफ समस्त वैधानिक कार्रवाई पूर्ण करके संबंधित न्यायालय प्रस्तुत करके जेल रवाना किया जा रहा है।

लोकरंग में कलाकारों की प्रस्तुति से झूमे दर्शक

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर महोत्सव के दूसरे दिन लोकरंग से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। देर शाम तक बढ़ती ठंड के बीच बड़ी संख्या में लोगों ने स्थानीय कलाकारों को प्रस्तुति से मंत्रमुग्ध हुए। भोजपुरी गायक व अभिनेता मनोज मिश्र मिहिर के गानों पर बजे दर्शकों की तालियों से पूरा पांडाल गूंज उठा। सियाराम का बन गया मंदिर अब उद्घाटन की तैयारी है... गाओ रे मंगल गाओ रे घर आंगन दीप सजाओ रे, मेरे रामलला के मंदिर का उद्घाटन होने वाला है, गजब के सजल सुरतिया जैसे सरसों के खेतिया...की प्रसूति पर लोगों ने खूब तालिया बजाई। उसके बाद मंच पर पहुंचे दो सगे भाई राम सिंह श्रीनेत और श्याम सिंह श्रीनेत ने प्रभु तुमने सब कामना पूरी कर डाली... सरजू लहर में खेले दशरथ ललनवा...गा कर खूब वाहवाही बटोरी।

गोरखनाथ खिचड़ी मेले में इस बार तैनात होंगे एटीएस कमांडा

गोरखपुर–संवाददाता। गोरखनाथ मंदिर में खिचड़ी मेले को लेकर सभी तैयारियां पूरी हो गई हैं। मंदिर के अंदर और बाहर कुल 3115 पुलिसकर्मी तैनात होंगे। इसके अलावा पीएसी और एटीएस कमांडो भी सुरक्षा में रहेंगे। पार्किंग के लिए 10 स्थान निर्धारित किए गए हैं। आने–जाने वाले लोगों पर नजर रखने को कंट्रोल रूम बनाया गया है, जहां से सभी सीसीटीवी कैमरों से मानीटरिंग होती रहेगी। मेला परिसर की सुरक्षा व्यवस्था के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस और पीएसी के जवान तैनात किए गए हैं। भीम सरोवर में एसडीआरएफ के साथ फ्लड पीएसी तैनात है। आने–जाने वाले श्रद्धालुओं की सहूलियत को ध्यान में रखकर सुरक्षा का प्लान तैयार किया गया है। मेले में अस्थाई कैंटीन, कोविड डेस्क, महिला हेल्प डेस्क समेत अन्य सुरक्षा संबंधी इंतजाम भी किए जाएंगे। भीड़ नियंत्रित करने के लिए 200 लोहे के बैरियर भी जीडीए मुहैया कराएगा। तैयारियों को लेकर शनिवार को बैठक भी की गई। मकर संक्रांति पर खिचड़ी मेला गोरखनाथ मंदिर में 14 जनवरी शुरू होकर महाशिवरात्रि तक चलेगा। गोरखनाथ में लगने वाले खिचड़ी मेले में 14 जनवरी को डाक विभाग की तरफ से कैंप लगाकर श्रद्धालुओं को गंगाजल उपलब्ध कराया जाएगा। प्रवर डाक अधीक्षक मनीष कुमार ने बताया कि श्रद्धालुओं का ख्याल करते हुए गंगोत्री का गंगाजल उपलब्ध कराने की व्यवस्था शुरू की गई है। उन्होंने बताया कि बोतल में 60 एमएल गंगाजल 30 रुपये में मिलेगा।

जीवंत समाज का प्रतीक है कल्चर ऑफ वॉयस –प्रो. डीआर साहू

गोरखपुर–संवाददाता। विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग द्वारा शनिवार को 'रिसेंट ट्रेंड्स इन इंडियन सोशियोलॉजी विषयक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि सुप्रसिद्ध समाजशास्त्री तथा लखनऊ विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. दीप्ति रंजन साहू उपस्थित रहे। प्रो. साहू ने कहा कि वर्तमान समय में बाजार, राज्य और समाज आपस में सम्बंधित हैं। नागरिक समाज का प्रभाव अब समाप्त हो रहा है। धीरे–धीरे कल्चर ऑफ साइलेंस विकसित हो रहा है। स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए कल्चर ऑफ वॉयस जरूरी है। यह जीवंत समाज का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि एनईपी के उद्देश्य समाजशास्त्रीय हैं। सामान्य ज्ञान और समाजशास्त्र में अंतर है। समाजशास्त्र तार्किक तरीके से समाज को समझने का जरिया है। अध्यक्षता करते हुए विभागाध्यक्ष प्रो. सुभी धुसिया ने कहा कि समाजशास्त्र विषय समाज को प्रतिबिंबित करने के लिए लगातार विकसित और परिवर्तित हो रहा है। समाजशास्त्र के नवीनतम रुझानों पर अपडेट रहना महत्वपूर्ण है। कला संकाय अध्यक्ष प्रो. कीर्ति पाण्डेय विशिष्ट अतिथि रहीं। संचालन दीपेन्द्र मोहन सिंह ने तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो. कौलेश्वर प्रियदर्शी ने किया।

अदालती नोटिस

अपील के सुनवाई के लिए नियत दिन की प्रत्यर्थो को सूचना

(धारा 41 नियम 14 व्या0प्र0सं0)

न्यायालय–श्रीमान अपर जनपद न्यायाधीश/एफ0टी0सी0 महोदय सिद्धार्थनगर

प्रकीर्ण सिविल अपील सं0 14/2023

श्रीमती सिताबुनन्निशा आदि

बनाम

रफीक मोहमद आदि

1. रफीक मोहम्मद उम्र लगभग 45 वर्ष पुत्र स्व0 समीउल्लाह निवासी ग्राम व तप्पा सिरवत पोस्ट उदयराजगंज परगना नौगढ़ तहसील शोहरतगढ़ जिला–सिद्धार्थनगर
2. हफीजुल्लाह पुत्र शौकत अली 3. अली अहमद 4. अकरम अली पुत्रगण समीउल्लाह 5. श्रीमती महरूनन्निशा पत्नी स्व0 समीउल्लाह 6. हरेन्द्रनाथ 7. राजेश कुमार पुत्रगण घनश्याम 8. श्रीमती सावित्री देवी पत्नी घनश्याम 9. श्रीमती गायत्री देवी पत्नी रामनेवास सभी निवासीगण ग्राम व तप्पा सिरवत पोस्ट उदयराजगंज परगना नौगढ़ तहसील शोहरतगढ़ जिला–सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 16–01–2024

आपको सूचना दी जाती है कि मामले को आदेश डिक्री की अपील द्वारा उपस्थित की गई है और इस न्यायालय में रजिस्टर कर ली गयी है और इस अपील की सुनवाई के लिए इस न्यायालय द्वारा दिनांक 16–01–2024 नियत की गयी है। यदि इस अपील में आप की ओर से आप स्वयं या आपके अधिवक्ता या आपके लिए कार्य करने के लिए विधिक प्राधिकृत कोई व्यक्ति उक्त नियति तिथि को समय 10:00 अपरान्ह उपसंजात नही होगा तो वह आपके अनुपस्थिति में सुनी और विनिश्चित की जायेगी।

यह आज दिनांक को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गयी। द0 हाकिम

आज अयोध्या दौरे पर सीएम योगी, तैयारियों की करेंगे समीक्षा, महाकाल से आएंगे लड्डू

संवाददाता–अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को एक बार फिर अयोध्या के दौरे पर रहेंगे। मिली जानकारी के मुताबिक, गोरखपुर में मेले का शुभारंभ करने के बाद योगी अयोध्या पहुंचेंगे। यहां सीएम हनुमानगढ़ी, राम लला के दर्शन करेंगे। साथ ही लता मंगेशकर चौक के पास सफाई अभियान की शुरुआत करेंगे। इसके अलावा सीएम योगी डिजिटल टूरिस्ट ऐप को भी लॉन्च करेंगे। हीं प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर चल रही तैयारियों की समीक्षा करेंगे। अयोध्या का भव्य रामलला का मंदिर बनकर तैयार है। मंदिर में रामलला की प्राण–प्रतिष्ठा 22 जनवरी को होगी। राम मंदिर के उद्घाटन को लेकर देशभर में उत्साह का माहौल है। हर राम भक्त हो इस दिन का बेसब्री से इंतजार था। रामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के पहले विधिवत पूजा अर्चना करने की तैयारी की जा रही है। नेपाल के जनकपुर में स्थित जानकी मंदिर के मुख्य पुजारी राम तपेश्वर दास ने कहा कि कई दशकों के बाद श्रीराम के मंदिर की 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा होने जा रही हैं। बीते दशकों में ऐसा वक्त कभी नहीं आया और न ही भविष्य में फिर ऐसा मौका आएगा। हमें राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण मिला है। हमनें पहले ही राम मंदिर के लिए उपहार भेज दिए हैं। हम कार्यक्रम में समय से पहले शामिल होंगे। काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के प्रतिमा विज्ञानियों की देखरेख में अयोध्या के भव्य राम मंदिर में मूर्तियां लगाई जा रही हैं। सभी मूर्तियां शास्त्र सम्मत रहें, इसे सुनिश्चित किया जा रहा है। भूतल पर जो मंदिर बना है, उसके आंतरिक और बाहरी हिस्से में छोटी–बड़ी करीब एक हजार से ज्यादा मूर्तियां लगी हैं। हर खंभे पर आठ देवताओं की मूर्तियां लगाई गई हैं। पिलर पर छह से सात इंच, पिलर के ऊपर एक से डेढ़ फुट और आंतरिक हिस्से में कई जगह चार फुट की मूर्तियां लगी हैं। श्री लंका से राम गमन मार्ग होते हुए मध्य प्रदेश के सतना जिले के चित्रकूट राम भक्त पहुंचे। ये राम भक्त चांदी की चरण पादुका लेकर पहुंचे हैं। ये सभी लोग चित्रकुट से अयोध्या के लिए रवाना होंगे। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल होंगे।

अयोध्या में भगवान श्री राम के मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा समारोह 22 जनवरी 2024 को भव्य समारोह के रूप में आयोजित होने जा रहा है। इस समारोह में बाबा महाकाल के लड्डू प्रसाद अयोध्या भेजे जा रहे हैं। बता दें कि जिसकी तैयारी जोरों शोर से चल रही है। प्रसाद को लेकर लड्डू बनाने वाले कारीगर भी बढ़ा दिए गए हैं, 16 जनवरी से यह लड्डू ट्रक में रखकर अयोध्या भेजे जाएंगे। नेपाल से पैदल यात्रा कर दो सगे भाई प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने उत्तर प्रदेश के अयोध्या के प्रसिद्ध राम मंदिर में पहुंचेंगे। इन दोनों भाइयों का लोग जगह–जगह स्वागत कर रहे हैं। दोनों भाई प्रतिदिन 30 किलोमीटर पैदल चल रहे हैं जो 21 जनवरी को अयोध्या में पहुंच जाएंगे और 22 जनवरी को राम मंदिर में होने वाले प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होंगे।

प्रभु श्रीराम अयोध्या के राजा और दशरथ के पुत्र ही नहीं हैं, वह अगम–अगोचर, जाति, वर्ग से परे हैं। राम को देखने के लिए आंखें होनी चाहिए। मुझे अच्छी तरह याद है , जब बचपन में दादी राम नाम की औषधि से हर रोग–दुख को दूर कर दिया करती थीं। चाहे बुखार हो या सिर दर्द, रामनाम का उपचार सबसे सहज, सरल और विश्वसनीय हुआ करता था। वह राम मेरे जीवन के आधार हैं। वह विविध रूपों में अपनी लीलाओं के जरिए आदर्श स्थापित करने वाले परमात्मा हैं।

हिंदू संगठनों ने 30 अक्तूबर 1990 को अयोध्या में रामजन्म भूमि पर कारसेवा करने का ऐलान कर प्रदेश सरकार को खुली चुनौती दी थी। मुलायम सिंह यादव प्रदेश के मुख्यमंत्री थे। उन्होंने हिंदू संगठनों और भाजपा की चुनौती को स्वीकार करते हुए कहा था कि बाबरी ढांचे को कारसेवकों के छूने की बात कौन कहे परिंदा भी पर नहीं मार पाएगा। उसके बाद कारसेवकों ने वहां जाने की रणनीति बनाई।

सचिन तेंदुलकर 22 जनवरी को अयोध्या पहुंचेंगे और प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होंगे। सचिन के अलावा विराट कोहली और रोहित शर्मा के भी इस समारोह में शामिल होने की उम्मीद है। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा में आने वाले मेहमानों को लखनऊ से होकर गुजरना होगा। इसके लिए शहर पूरी तरह से तैयार है। रंग–रोगन से लेकर रोशनी तक पर काम हो रहा है। साफ–सफाई के साथ शहर रंग–बिरंगी झालरों में नहा रहा है। शुक्रवार को अयोध्या रोड पर लगे स्ट्रीट लाइट के पोलों पर रंगीन स्पाइरल लाइटों को लगा दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22 जनवरी को जब अयोध्या में राम मंदिर में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा करेंगे तो रावण का मंदिर भी जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठेगा। नोएडा के बिसरख क्षेत्र में बना मंदिर लंका के राजा रावण को समर्पित है। स्थानीय लोक कथाओं के अनुसार, बिसरख रावण का जन्म स्थान है। बिसरख में लंकापति रावण के इस मंदिर में भगवान शिव, पार्वती और कुबेर की मूर्तियां भी हैं। रावण मंदिर के पुजारी महंत रामदास ने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा वाले दिन मंदिर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

प्राण-प्रतिष्ठा से पहले योगी सरकार ने अयोध्या को दिया 105 करोड़

संवाददाता–अयोध्या। राम मंदिर प्राण–प्रतिष्ठा से पहले योगी सरकार ने अयोध्या को एक और गिफ्ट दिया है। यूपी और केंद्र सरकार ने राम मंदिर निर्माण के साथ ही राम की पैड़ी को भी अब पूरी तरह से निखार दिया है। दरअसल लंबे समय तक राम की पैड़ी बदहाल रही है, लेकिन राम मंदिर निर्माण के साथ ही राम की पैड़ी नव्य अयोध्या के वैभव की पहचान बन गई है। लगभग 105.65 करोड़ रुपये की लागत से योगी सरकार द्वारा कराए गए जीर्णोद्धार से श्रद्धा का केंद्र रही राम की पैड़ी नई आभा के साथ निखरकर सामने आ गई है। नियमित रूप से यहां होने वाला लाइट एंड साउंड शो तीर्थ यात्रियों के आकर्षण का केंद्र हो गया है। राम की पैड़ी का पर लंबे समय तक कोई कार्य नहीं कराया गया। बड़े स्तर का जीर्णोद्धार कार्य 1985 में हुआ था, फिर इसके बाद योगी सरकार ने ही इसकी सुधि ली। अयोध्या के पुरातन मंदिर नागेश्वर नाथ मंदिर, चंद्रहरि मंदिर, विष्णु हरि मंदिर व सरयू मंदिर इसी राम की पैड़ी पर हैं। अब इन मंदिरों में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में भी भारी वृद्धि हुई है। श्री चंद्रहरि महादेव मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष स्वामी कृष्णकान्ताचार्य कहते हैं कि राम की पैड़ी का जो भव्य सौंदर्यीकरण किया गया है, उसकी कल्पना भी नहीं थी। राम की पैड़ी पर दीवारों को म्यूरल आर्ट के जरिए सजाया जा रहा है जिसमें रामायण के प्रसंगों समेत पौराणिक घटनाओं व पात्रों के मनमोहक चित्रण को देख लोग सुखद आश्चर्य से भर उठते हैं। राम की पैड़ी सरयू नदी के किनारे स्थित घाटों की एक श्रृंखला है। यहां को लेकर ऐसी पौराणिक मान्यता है कि श्रीराम इसी पैड़ी से होकर सरयू में स्नान करने जाते थे। कहा जाता है कि एक बार जब लक्ष्मण जी ने सभी तीर्थों के दर्शन करने का मन बनाया तो श्रीराम ने अयोध्या में सरयू किनारे तट पर खड़े होकर कहा कि जो व्यक्ति सूर्योदय से पूर्व इस स्थल पर सरयू नदी में स्नान करेगा उसे समस्त तीर्थ में दर्शन करने के समान पुण्य प्राप्त होगा। माना जाता है कि सरयू के जिस तट पर श्रीराम ने ये बात कही वही स्थान आज राम के पैड़ी के नाम से प्रसिद्ध है। यही वजह है कि पूर्णिमा पर यहां स्नान का विशेष महत्व है और यहां स्नान करने वाले को सभी तीर्थों का पुण्य यहां स्नान करने से मिल जाता है।

दैनिक
भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com